दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क
www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 2 | अंक: 348 जयपुर, मंगलवार, 28 नवंबर, 2023 | मार्गाशीर्ष, कृष्ण पक्ष- प्रतिपदा, विसं 2080 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

जरूरी खबर

200 नई माउंटेड हावित्जर तोपें खरीदने की तैयारी

नई दिल्ली। चीन के साथ लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) जैसे ऊंचाई वाले सीमावर्ती क्षेत्रों में अपनी मोबाइल मारक क्षमता बढ़ाने के लिए भारतीय सेना जल्द ही 105 मिलीमीटर 37 कैलिबर की तोपों से लैस 200 नई माउंटेड हावित्जर तोपें खरीदने के लिए जल्द ही निविदा जारी करने जा रही है। रक्षा सूत्रों ने बताया कि यह खरीद 'मेक इन इंडिया' प्रोजेक्ट के तहत की जाएगी। पहली बार भारतीय तोपखाने (आर्टिलरी) में इस प्रकार की 105 मिलीमीटर की माउंटेड हावित्जर तोपें शामिल होंगी। इससे अग्रिम पंक्ति में तैनात टुकड़ियों की ताकत में वृद्धि होगी।

टी 20 सीरीज: भारत-ऑस्ट्रेलिया तीसरा मैच आज

गुवाहाटी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का तीसरा मुकाबला असम के गुवाहाटी शहर में खेला जाएगा। यहां के बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में यह दोनों टीमें आमने-सामने होंगी। यह मुकाबला मंगलवार को शाम 7 बजे शुरू होगा। इस मैदान पर अब तक तीन मुकाबले हुए हैं। एक मुकाबले में चेज करने वाली टीम सफल रही, वहीं दूसरे मैच में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को जीत मिली, जबकि एक मैच में यहां नतीजा नहीं निकल सका।

ये भी देखें...

मेले में राजसिको ने बढ़ाया मान पेज-2
गलता में 1001 कमल के फूलों से पुष्पयाग पेज-3
पवित्र जल में लगाई आस्था की डुबकी पेज-4
दिग्गजों की सीटों पर मतदान में महिलाएं आगे पेज-5

मुख्यमंत्री बोले-कांग्रेस को मिलेगा स्पष्ट बहुमत... भाजपा के अरुण सिंह ने कहा- पीएम की सभाओं से माहौल बना भाजपा के पक्ष में

BJP का 'धर्म कार्ड' खारिज... उनकी भाषा भी भड़काऊ: CM

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को फिर विश्वास जताया कि विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होने के बाद अब तीन दिसंबर को होने वाली मतगणना में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिलेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं ने प्रचार अभियान में भड़काऊ भाषा का इस्तेमाल किया और 'धर्म कार्ड' चलाने की कोशिश की लेकिन लोगों ने उन्हें खारिज कर दिया। प्रदेश की 200 में से 199 सीटों पर मतगणना तीन दिसंबर को होगी। वैसे, कांग्रेस ही नहीं, भाजपा भी बहुमत मिलने का दावा कर रही है। एक तरफ जहां मुख्यमंत्री गहलोत जीत को लेकर आश्वस्त हैं और भाजपा पर बाड़ेबंदी करने की जरूरत को लेकर बयान दे रहे हैं. वहीं, अब भाजपा की ओर से सीएम पर पलटवार किया गया है. प्रदेश भाजपा प्रभारी अरुण सिंह ने कहा कि किसे बाड़ेबंदी की जरूरत होती है यह तो 3 दिसंबर को परिणाम आने के बाद ही पता चल जाएगा।

जनता भाजपा नेताओं के बहकावे में नहीं आई

गहलोत ने यहां संवाददाताओं से कहा,'उनके केंद्रीय नेताओं की भाषा तो दंगे भड़काने वाली थी, लेकिन जनता ने उनकी परवाह नहीं की। जनता उनके भड़काने में नहीं आई।' उन्होंने कहा, 'उनका धार्मिक कार्ड चला नहीं, जो उन्होंने चलाने का जोर शोर से प्रयास किया । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने क्या भाषा इस्तेमाल की? ऐसी भाषा को उचित नहीं कह सकते हैं, क्योंकि लोगों को भड़काने वाली बातों से चुनाव में तनाव पैदा होता है।' गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार के खिलाफ कोई 'सत्ता विरोधी' लहर नहीं है। उन्होंने कहा, 'जमकर वोटिंग हुई है। मैं समझता हूं कि अंडरकरंट की तरह माहौल बना है, राजस्थान में, जो खबरें आ रही हैं। बाकी तो तीन तारीख को ही मालूम पड़ेगा कि क्या होता है।'

जनता भाजपा के साथ: अरुण सिंह

विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद सोमवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के भाजपा पर बाड़ेबंदी करने की जरूरत को लेकर दिए बयान को लेकर भाजपा प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने पलटवार किया हैं। अरुण सिंह ने कहा कि प्रदेश में किसकी कितनी लोकप्रियता है और किसे बाड़ेबंदी की जरूरत पड़ेगी, यह तो 3 दिसंबर को परिणाम आने के बाद ही पता चल जाएगा। अरुण सिंह ने कहा कि प्रदेश में चुनाव प्रचार में रही सही कसर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभाओं ने पूरा कर दिया। उन्होंने कहा कि पीएम ने सभाओं के जरिए राज्य में भाजपा के पक्ष में माहौल बनाया। यही वजह है कि चुनाव में प्रदेश की जनता भाजपा के साथ खड़ी रही।

प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ का देखा गया असर

बाड़मेर में जमकर मावठ... पारा सबसे कम

गुजरात और एमपी में बारिश जनित हादसों में दो दर्जन लोगों की मौत

@ जयपुर
फोटो: पंकज शर्मा

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ के चलते मौसम में बदलाव का असर सोमवार को और देखने को मिला। राज्य के पूर्वी और दक्षिण के जिलों में मावठ की अच्छी बरसात हुई। वहीं, सटे प्रदेशों गुजरात और मध्यप्रदेश में बारिश के दौरान आकाशीय बिजली ने दो दर्जन जिंदगियां लील लीं।

राजस्थान में सबसे ज्यादा बरसात बाड़मेर में 60 एमएम दर्ज की गई। बारिश और ओलावृष्टि के चलते बाड़मेर का अधिकतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से भी नीचे गिर गया, जिससे कंपकंपाहट बढ़ गई और लोग गरमाहट के लिए घरों में दुबके रहे, वहीं बाजारों में अलाव तापते नजर आए। मौसम विज्ञानी यहां इसको सीजन का सबसे ठंडा दिन मान रहे हैं। इधर, मौसम के इस बदलाव के चलते सुबह चारदीवारी, दिल्ली रोड, आदर्श नगर क्षेत्रों हल्की बारिश हुई। इससे अचानक ठंड बढ़ गई। दिनभर में ठंडी हवाएं चली, हालांकि फिलहाल इसे शीतलहर नहीं मान सकते, अलबत्ता उसका अहसास जरूर हो गया। बादलों के छाए रहने से सूर्यदेव पूरी तरह से अपनी रोशनी नहीं बरसा सके। सोमवार को अचानक बढ़ी सर्दी ने लोगों को बड़े गर्म कपड़े निकालने को विवश कर दिया। उधर, वागड़ में बांसवाड़ा जिले के घाटोल कस्बे में 29 एमएम बरसात हुई। जिससे वहां गलियों में पानी भर गया। रविवार रात का न्यूनतम तापमान 14.7 डिग्री सेल्सियस था, जबकि अधिकतम पारा 17.9 डिग्री सेल्सियस रहा।

राजधानी में बारिश की संभावना कम

मौसम में आए बदलाव को लेकर मौसम केंद्र, जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ का असर धीरे-धीरे कम हो रहा है। इससे मंगलवार से बारिश और ओलावृष्टि में कमी आएगी। हालांकि अगले दो दिन प्रदेश में बादल छाए रहने की संभावना है, वहीं प्रदेश के पूर्वी हिस्से में हल्की बूंदाबांदी होने और मौसम में थोड़ी नमी रहने की संभावना है। कुछ इलाकों में सुबह कोहरा भी छा सकता है। दिन के तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस गिरावट आएगी। जयपुर में भी एक-दो दिन बादलवाही रह सकती है। बारिश की संभावना कम रहेगी और मौसम में ठंडक रहेगी।

मध्यप्रदेश: चार लोगों की गई जान

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर बारिश के बाद पिछले 24 घंटे में आकाशीय बिजली गिरने से चार लोगों की मौत हो गई और एक लड़का गंभीर रूप से घायल हो गया। उमरबन पुलिस चौकी के प्रभारी प्रकाश अलावा ने बताया कि बिजली की चपेट में आने से मुकेश (28) और उनकी पत्नी चंपा (27) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनका 10 वर्षीय बेटा गंभीर रूप से झुलस गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। पेटलावद के पुलिस उपमंडल अधिकारी ने बताया कि रविवार शाम को झावलिया गांव में खेत में काम करते समय बिजली गिरने से लुंगजी कटारा की मौत हो गई। सिलावड पुलिस थाने के उपनिरीक्षक अयूब शेख ने बताया कि जुनाझिरा गांव में बिजली गिरने से 48 वर्षीय महिला की मौत हो गई।

गुजरात: 20 जने काल कवलित

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के विभिन्न हिस्सों में हुई मावठ की बरसात के दौरान बिजली गिरने से 20 लोगों की मौत हो गई है। दाहोद जिले में चार, भरूच में तीन, तापी में दो और अहमदाबाद, अमरेली, बनासकांठा, बोटाद, खेड़ा, मेहसाणा, पंचमहल, साबरकांठा, सूरत, सुरेंद्रनगर और देवभूमि द्वारका में एक-एक व्यक्ति की मौत हो गई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस पर शोक व्यक्त किया और सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा,'गुजरात के विभिन्न शहरों में खराब मौसम और बिजली गिरने से कई लोगों की मौत होने की खबर से मुझे गहरा दुख हुआ है। मैं गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। स्थानीय प्रशासन राहत कार्य में जुटा हुआ है।

प्रॉपर्टी ट्रांसफर को लेकर SC का बड़ा फैसला

मुख्तारनामा और सेल एग्रीमेंट से नहीं मिल सकता मालिकाना हक

शीर्ष अदालत ने कहा... रजिस्टर्ड दस्तावेज जरूरी

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रॉपर्टी के हस्तांतरण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। एक केस की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा है कि किसी प्रॉपर्टी के टाइटल ट्रांसफर के लिए रजिस्टर्ड दस्तावेज होने चाहिए, सिर्फ सेल एग्रीमेंट या पावर ऑफ अटॉर्नी को टाइटल ट्रांसफर के लिए पर्याप्त नहीं माना जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि रजिस्ट्रेशन एक्ट 1908 के तहत संपत्ति का मालिकाना तभी हो सकता है जब रजिस्टर्ड दस्तावेज हों। कोर्ट ने जिस मामले में फैसला सुनाया है उसमें याचिकाकर्ता का कहना था कि वह संपत्ति का मालिक है और सपंत्ति उसके भाई द्वारा उसे गिफ्ट डीड के मार्फत दी गई थी। उसका कहना है संपत्ति पर कब्जा भी उसका है, जबकि दूसरे पक्ष ने संपत्ति पर दावा करते हुए कहा है कि उसके पक्ष में पावर ऑफ अटॉर्नी (मुख्तारनामा), हलफनामा और सेल एग्रीमेंट है।

प्रतिवादी का दावा किया खारिज

दूसरे पक्ष के जवाब में याचिकाकर्ता का कहना था कि जिन दस्तावेजों के आधार पर प्रतिवादी ने दावा किया है, वह मान्य नहीं है। उन्होंने कहा है कि अचल संपत्ति का मालिकाना हक बिना रजिस्टर्ड दस्तावेज के नहीं हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस बात से सहमति जताते हुए कहा कि बगैर रजिस्टर्ड दस्तावेज के अचल संपत्ति का मालिकाना हक हस्तांतरित नहीं हो सकता, इसलिए प्रतिवादी के दावे को खारिज किया जाता है। साथ ही, कोर्ट ने याचिकाकर्ता की अपील भी स्वीकार कर ली।

उपराष्ट्रपति धनखड़ के सचिव रहेंगे सुनील गुप्ता

नई दिल्ली। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सुनील कुमार गुप्ता को केंद्र ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का फिर से सचिव नियुक्त किया है। गुप्ता, पश्चिम बंगाल कैडर के 1987 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। आदेशानुसार मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने उपराष्ट्रपति के सचिव के रूप में गुप्ता की अनुबंध के आधार पर पुनर्नियुक्ति को मंजूरी दे दी है, जो 31 दिसंबर 2023 को सेवानिवृत्ति के बाद एक जनवरी 2024 से प्रभावी होगी।

दिल्ली हवाई अड्डे पर आधुनिकीकरण

AI आधारित प्रणाली को लागू करने की तैयारी

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली हवाई अड्डे पर यात्रियों की बढ़ती आवाजाही को देखते हुए परिचालन को बेहतर करने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) पर आधारित विश्लेषण और कैमरा-आधारित समाधानों का इस्तेमाल किया जाएगा। देश के सबसे बड़े हवाई अड्डे का परिचालन करने वाली कंपनी दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विदेह कुमार जयपुरियार ने कहा, "हम परिचालन के लिए अधिक डिजिटल समाधान अपनाने के बारे में सोच रहे हैं। ये समाधान इंटरनेट-ऑफ-थिंग्स और कृत्रिम मेधा पर आधारित हो सकते हैं। हम हवाई अड्डा परिचालन को बेहतर करने के लिए अनुमानपरक विश्लेषण का इस्तेमाल करेंगे।"

दिल्ली हवाई अड्डे पर प्रतिदिन करीब 1,500 उड़ानें संचालित होती हैं। यहां पर यात्रियों की आवाजाही भी चालू वित्त वर्ष के अंत तक बढ़कर सात करोड़ से अधिक हो जाने का अनुमान है। इस हवाई अड्डे पर तीन टर्मिनलों- टी1, टी2 और टी3 से उड़ानें संचालित होती हैं। डायल हवाई अड्डे पर बढ़ती आवाजाही को देखते हुए अपना परिचालन स्तर सुधारने की कोशिश में है। पिछले साल सर्दियों के मौसम में हवाई अड्डे पर यात्रियों को भीड़ बढ़ने से काफी असुविधाओं का सामना करना पड़ा था।

दो मर्तबा ट्राई... बेकार गई कार्रवाई

एसीबी के दो बड़े ट्रैप फेल... SDM और DSP के रीडर ने मांगी थी घूस

- सांभर के डिप्टी एसपी के रीडर ने मांगी 45 हजार रु. की रिश्वत
- उधर, सीकर एसडीएम के रीडर ने मांगी थी 20 हजार रुपए की घूस
- ट्रैप की कार्रवाई से पहले ही सूचना लीक... आरोपियों पर केस दर्ज

ओमप्रकाश शर्मा | बेधड़क

पिछले एक माह में एसीबी की दो बड़ी ट्रैप की कार्रवाई फेल हो गई। सूत्रों का दावा है कि एसीबी मुख्यालय से ही कार्रवाई की सूचना लीक हुई। ऐसे में आरोपी रंगे हाथों गिरफ्तार नहीं किए जा सके। बताया जा रहा है कि एसीबी के अधिकारी ट्रैप की दोनों कार्रवाई को अंजाम देते तो संभवतः सांभर डिप्टी एसपी व सीकर एसडीएम भी एसीबी की कार्रवाई के दायरे में आ जाते। अब एसीबी ने मुकदमे से नाम निकालने की एवज में 45 हजार रुपए की घूस मांगने के आरोप में सांभर डिप्टी एसपी के रीडर एएसआई भंवर लाल जाट व दलाल कानाराम के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। रीडर भंवर लाल ने परिवादी से डिप्टी एसपी के नाम से घूस मांगी थी। उधर, सीकर एसडीएम के रीडर अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी मोहम्मद अयूब के खिलाफ एसीबी ने प्लॉट के स्थगन आदेश को हटाने की एवज में 20 हजार रुपए की घूस मांगने का मुकदमा दर्ज किया है। दोनों ट्रैप की कार्रवाई फेल हो जाने से एसीबी की कार्यशैली पर भी सवाल उठने लगे हैं।

दलाल को बोला आरोपी, तुम भी मरोगे और हमें भी मरवाओगे...

दरअसल, एसीबी में 28 अगस्त को अशोक कुमार व रामलाल ने सांभर डिप्टी एसपी के रीडर भंवरलाल के खिलाफ शिकायत की थी। आरोप था कि एक धोखाधड़ी के मामले में से नाम हटाने की एवज में भंवरलाल ने दलाल कानाराम के मार्फत 45 हजार रुपए की घूस मांगी। आरोपी ने परिवादी को डिप्टी एसपी सांभर से भी मिलवाया। ऑफिस में परिवादी को जेल जाने की धमकी दी और डिप्टी एसपी के नाम से घूस मांगी। एसीबी ने सत्यापन के बाद 15 सितंबर और 23 सितंबर को पूरी योजना बनाई। कार्रवाई होती उससे पहले आरोपी भंवर लाल को भनक लग गई और परिवादी को ऑफिस बुलाने के बाद चाय की थड़ी पर बैठाकर कहा कि तुम्हारा मुकदमे से नाम हटा दिया है। साथ ही, हॉस्पिटल जाने की बात कहकर वहां से निकल गया। इसके बाद में आरोपी ने कानाराम को फोन किया कि अशोक व रामलाल से अब कभी बात मत करना। तुम भी मरोगे और हमें भी मरवाओगे।

सत्यापन होने के बाद मांगा ही नहीं

सीकर के मामले की पड़ताल में सामने आया कि एसीबी में जुलाई माह में किशन कुमावत ने शिकायत की कि एसडीएम सीकर का रीडर मोहम्मद अयूब उससे उसके प्लॉट का स्टे हटवाने व नकल देने की एवज में 20 हजार रुपए की घूस मांग रहा है। इस पर एसीबी ने शिकायत का सत्यापन करा लिया। आरोपी को कार्रवाई की भनक लगने पर सत्यापन के बाद एक माह तक उसने परिवादी से घूस की डिमांड नहीं की। इस दौरान प्लॉट के मामले में स्टे भी हट गया। हालांकि सत्यापन की रिकॉर्डिंग के आधार पर एसीबी ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

जरूरी खबर

देव दिवाली पर वसुंधरा राजे ने की पूजा-अर्चना

बेधड़क, जयपुर। देव दीपावली के मौके पर सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने पूजा-अर्चना की। उन्होंने सोशल मीडिया पर भारतीय संस्कृति में लोक आस्था के महापर्व 'कार्तिक पूर्णिमा' और बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक पर्व देव दीपावली की सभी देशवासियों को बधाई भी दी। उन्होंने कहा कि भगवान विष्णु के आशीर्वाद और मां गंगा की कृपा से यह पावन पर्व सम्पूर्ण सृष्टि के लिए लाभकारी बने। वहीं राजे ने गुरु नानक जयंती पर गुरुद्वारे में जाकर शीश नवाया और सरबस के भले की अरदास की।

कोटा में एक और कोचिंग स्टूडेंट ने की आत्महत्या

बेधड़क, जयपुर। शिक्षा नगरी कोटा में सोमवार को एक और छात्र ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर दी। जानकारी के अनुसार मृतक छात्र फोरिद पश्चिम बंगाल का रहने वाला था। फोरिद कोटा के वक्फ नगर इलाके में रहकर नीट परीक्षा की तैयारी कर रहा था। सोमवार को फोरिद ने अज्ञात कारणों से आत्महत्या कर ली। मामले को लेकर दादाबाड़ी थाना पुलिस जांच कर रही है। गौरतलब है कि इस वर्ष कोटा में स्टूडेंस्ट का आत्महत्या करने का सिलसिला लगातार बढ़ रहा हैं। इस वर्ष अब तक सर्वाधिक करीब 28 स्टूडेंट्स ने मौत को गले लगा लिया।

कागजी की बरसी पर किए फूड पैकेट वितरित

बेधड़क, जयपुर। जयपुर जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सलीम काग़ज़ी की सोमवार को 7वीं बरसी मनाई गई। इस दौरान कांग्रेस के युवा नेता शिवराज पचेरवाल सहित कई कार्यकर्ताओं ने गरीब और असहाय लोगों में भोजन वितरण किया। पचेरवाल ने बताया कि कागजी की बरसी पर हर वर्ष भोजन वितरण करते हैं। उन्होंने बताया कि सोमवार को झालाना, रामनिवास बाग, जेके लोन अस्पताल, अल्बट हॉल समेत कई जगहों पर 200 से अधिक फूड पैकेट वितरित किए गए।

राजधानी में झोपड़-पट्टी में रह रहे प्रवासी मजदूरों की पीड़ा... चुनाव बाद नेता नहीं लेते सुध

नेताजी! जैसे वोटिंग के वक्त ध्यान रखा, वैसे ही अब रखना

बेधड़क | जयपुर

नेताजी ! जैसे वोटिंग के टाइम ध्यान रखा वैसे अब भी ध्यान रखो। ये शब्द मुफलिसी के दलदल में फंसें उन लोगों के हैं, जो दो वक्त की रोटी कमाने के लिए राजधानी जयपुर में ठहरें है।

इस चुनावी सीजन में नेताओं ने इनके वोट पाने के लिए ये जहां रह रहे है वहां तक गाड़ियां भेजी। इन लोगों ने भी रोजगार, आवास और खान-पान की उम्मीद में नेताओं को वोट दे दिए, लेकिन वोटिंग के बाद अब सब भूल गए हैं। अब ये लोग इन सबके के साथ ठंड की मार भी झेल रहे हैं, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। झालाना संस्थानिक क्षेत्र में दूर संचार विभाग के कार्यालय के पीछे झोपड़ पट्टी में रह प्रवासी मजदूरों ने अपनी पीड़ा बताते हुए कहा कि पेट पालने की मजबूरी में यहां रह रहे हैं। यहां रह रहे लोगों ने बताया कि इनके पास न तो कोई रहने की सही व्यवस्था है ना रोजगार की। ये लोग प्रदेश के अलग-अलग जिलों से कमाने के लिए आकर फूटपाथ की खाली जगह पर झोपड़ पट्टी तानकर रह रहे हैं। जागरुकता के अभाव में इनके बच्चों को सही शिक्षा भी नहीं मिल रही हैं। ये लोग चुनाव के बाद अपनी इन समस्याओं को लेकर नेताओं से मांग कर रहे हैं।

सड़क पर रह कर काट रहे समय

ये प्रवासी मजदूर अजमेर, केकड़ी, बांदरवाड़ा, सरवाड़ सहित प्रदेश के अलग-अलग जिलों से आकर यहां रह रहे हैं। काम धंधा मिलने पर मजदूरी कर पेट पालते हैं। इसके विपरीत शिक्षा व रोजगार की सही व्यवस्था नहीं होने से इनके जीवन स्तर में कोई बदलाव नहीं आता। चुनाव में भी ये वोटिंग तक ही सिमट कर रह जाते हैं। इन लोगों का कहना है कि वोट लेने के लिए तो नेता झोपड़-पटटी तक भी गाड़ी भेज देते हैं। वहीं चुनाव के बाद कोई सुध नहीं लेने आता। इन मजदूरों के बच्चे भी धूप, बारिश और सर्दी के बीच सड़क पर ही पलते हैं।

योजनाओं के दावे धरातल पर फेल

सरकार की तरफ से झोपड़पट्टी और गरीबी में जीवन बिता रहे लोगों के लिए अनेकों योजनाएं चलाने का दावा तो किया जाता है, लेकिन इनको किसी योजना का लाभ नहीं मिलता। लोगों का कहना है कि हमारे हिस्से का बजट तो हम पर खर्च करों, ताकि हमारी भी जिंदगी सुधर सके।

"साहब, गांव में रोजगार नहीं मिलता तो यहां कमाने आए हैं। वोटों के समय हमने वोट देकर अपना काम कर दिया। अब नेता भी अपना वादा निभाएं। हमारे लिए कोई रहने-खाने की सही व्यवस्था करें।

मेथी देवी, प्रवासी मजदूर

"रोजगार के लिए शहर आए हैं। चुनाव में नेताओं ने गाड़ियां भेजकर वोट पा लिए, लेकिन अब कोई नहीं पूछ रहा है। कई दिनों से न तो काम धंधा मिल पा रहा है, ना रहने की कोई व्यवस्था। नेताओं से मांग है कि हमारी भी सुनो।

हीरासिंह, प्रवासी मजदूर

"हर बार इस उम्मीद में वोट देते हैं कि जीवन में कोई बदलाव आए, लेकिन वोट लेने के बाद नेता सब भूल जाते हैं। इस बार भी वोट दिया है। नेताओं से उम्मीद है अबकि बार तो रहने-खाने व रोजगार की सही व्यवस्था कर दें।

रामी देवी, प्रवासी मजदूर

"सब लोग चुनाव में लगे हैं। इसलिए काम-धंधों पर असर पड़ा है। हमने तो वोट देकर काम कर दिया, अब नेताओं को भी हमारी तरफ ध्यान देना चाहिए।

सरिता देवी, प्रवासी मजदूर

2008, 2013 व 2018 के विस चुनावों में हुआ था दोबारा मतदान

कीर्तिमान: 25 साल में पहली बार कहीं नहीं होगा पुनर्मतदान

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर इस बार 56 साल में मतदान प्रतिशत बढ़ने का कीर्तिमान रचने के बाद मतदाताओं ने एक और नया कीर्तिमान रच दिया दिया हैं। प्रदेश के विधानसभा चुनावों में 25 वर्ष बाद यह पहला अवसर है जब प्रदेश के किसी भी बूथ पर चुनाव के बाद पुनर्मतदान नहीं होगा।

निर्वाचन विभाग की जानकारी के अनुसार प्रदेश के 199 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 51,507 मतदान केन्द्रों पर शांतिपूर्ण मतदान हुआ। निर्वाचन विभाग के अनुसार प्रदेश में चुनाव में कहीं भी मतदान प्रक्रिया प्रभावित नहीं हुई है। कई जगह पथराव व आगजनी जैसी घटनाओं के बावजूद निष्पक्ष मतदान हुआ है। गौरतलब है कि इससे पहले के विधानसभा चुनावों में लड़ाई- झगड़ों, बूथ केप्चरिंग सहित कई कारणों से सैकड़ों बूथों पर निर्वाचन आयोग ने दोबारा मतदान करवाया था। प्रदेश में वर्ष 2008 के चुनाव में 128 जगह पुनर्मतदान हुआ था। वहीं 2013 में 7 जगह और 2018 में एक जगह पुनर्मतदान हुआ था।

2008 में 128 बूथों पर हुई थी दोबारा वोटिंग

प्रदेश के 2008 के विधानसभा चुनावों में 200 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान हुए थे। निर्वाचन आयोग की जानकारी के अनुसार 2008 के विधानसभा चुनावों में 24 विधानसभा क्षेत्रों में 128 बूथों पर पुनर्मतदान हुए थे। भारत निर्वाचन विभाग के अनुसार 2008 में कोलायत विधानसभा में एक, नोखा में दो, फतेहपुर में 3, खंडेला में एक, कोटपूतली में एक, सिविल लाइन्स में एक, मुंडावर में दो, डीग-कुम्हेर में एक, बाड़ी में 8, धौलपुर में दो, टोडाभीम में 37, करोली में 27, बांदीकुई में 3, महुआ में 8, दौसा में तीन, गंगापुर में 11, सवाई माधोपुर में आठ, पुष्कर में एक, बिलाड़ा में एक, सांचोर में एक, माण्डलगढ़ में तीन, कोटा दक्षिण में एक, बारां-अटरू में तीन, खानपुर में एक बूथ पर दोबारा मतदान करवाया गया था। 2008 के विधानसभा चुनावों में सर्वाधिक 37 बूथों पर टोडाभीम विधानसभा क्षेत्र में वापस मतदान करवाया गया था।

2013 में 6 विधानसभा क्षेत्रों में कराया गया था पुनर्मतदान

प्रदेश में 2013 के विधानसभा चुनावों में 199 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान हुए थे। इसमें 6 विधानसभा क्षेत्रों के 7 बूथों पर पुनर्मतदान करवाया गया था। भारत निर्वाचन आयोग की जानकारी के अनुसार 2013 के विधानसभा चुनाव में खेतड़ी में एक, अलवर ग्रामीण में एक, राजगढ़-लक्ष्मणगढ़ में दो, नसीराबाद में एक, मनोहर थाना में एक, झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में एक बूथ पर पुर्नमतदान करवाया गया था। वहीं सिरोही के बूथ पर भी वापस मतदान करवाया गया था। वहीं 2018 में एक बूथ पर ही पुनर्मतदान करवाया गया था।

"प्रदेश के 199 विधानसभा क्षेत्रों के 51,507 मतदान केंद्रों पर शांतिपूर्ण रूप से मतदान सम्पन्न हुआ। सभी जगह निष्पक्ष एवं विधि अनुरूप मतदान हुआ है। मतदाताओं ने पूरे उत्साह के साथ अपने पसंद के प्रत्याशी के लिए वोट दिया है। प्रदेश के जिलों से आई रिपोर्ट के बाद कहीं भी पुनर्मतदान कराने की स्थिति नहीं पाई गई। इसलिए इस बार कहीं पर भी पुनर्मतदान नहीं होगा।

प्रवीण गुप्ता, मुख्य निर्वाचन अधिकारी।

अंतरराष्ट्रीय फेयर IITF का समापन

मेले में राजसिको ने बढ़ाया मान, पवेलियन को मिला अवॉर्ड

बेधड़क | जयपुर/नई दिल्ली

आईआईटीएफ मेले का सोमवार को नई दिल्ली प्रगति मैदान में समापन हुआ। इस मौके पर आयोजित समारोह में राजस्थान को बेहतरीन प्रदर्शन के लिए अवॉर्ड मिला। इस अंतरराष्ट्रीय फेयर में देशभर के सभी राज्यों, केंद्रीय सरकार के विभागों, अन्य देशों, प्राइवेट सेक्टर की नामचीन कंपनियों ने भाग लिया।

मेले के समापन समारोह में राजस्थान पवेलियन का शुभारंभ अतिरिक्त मुख्य सचिव वीनू गुप्ता ने किया। इस वर्ष राजस्थान पवेलियन को एक नया लुक दिया गया। पविलियन में राज्य की कला, संस्कृति, हस्तशिल्प, पर्यटन एवं औद्योगीकरण का अनूठा प्रदर्शन किया गया। राजसीको की प्रबंध निदेशक डॉ. मनीषा अरोड़ा ने बताया कि इस वर्ष राज्य के हुए औद्योगीकरण, निर्यात, ग्रीन एनर्जी के उपयोग, रोजगार सृजन, महिला सशक्तिकरण, मिलेट्स उत्पादन इत्यादि की उपलब्धियों को देश विदेश से आने वाले विजीटर्स के समक्ष प्रस्तुत किया गया। उन्होंने कहा कि फेयर में राज्य की पवेलियन को अवॉर्ड मिलना प्रदेशवासियों के लिए गौरव की बात है। राज्य के हस्तशिल्प को बढ़ावा देने के लिए हस्तशिल्पियों को रियायती दरों पर स्थान दिया गया और हस्तकला का जीवंत प्रदर्शन गया।

पवेलियन में प्रदर्शित इलेक्ट्रिक स्कूटर और विंड मिल के मॉडल आकर्षण का केंद्र रहे। राज्य की ओर से पवेलियन निदेशक दिनेश सेठी ने अवार्ड ग्रहण किया। सेठी ने बताया के इस प्रदर्शनी से राज्य के दस्तकारों और लघु उद्यमियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का एक्सपोजर एवं दूरगामी व्यापारिक अवसर मिलते हैं।

मित्र की बेटी की शादी में चौमूं पहुंचे असम के राज्यपाल

प्रदेश की राजनीति से मेरा कोई वास्ता नहीं: कटारिया

बेधड़क | जयपुर

असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने रविवार देर रात चौमूं में एक शादी समारोह में शिरकत की। राज्यपाल कटारिया अपने एक पारिवारिक मित्र की पुत्री के विवाह समारोह में शरीक होने आए थे।

राज्यपाल कटारिया शहर के राधा बाग स्थित अपने मित्र के आवास पर पहुंचे और उनकी बेटी डॉ. आंचल को आशीर्वाद दिया। इस मौके पर कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया का पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया। राज्यपाल कटारिया के साथ पारिवारिक सदस्य गणेश जैन, चौमूं विधायक रामलाल शर्मा भी मौजूद रहे। इस दौरान असम राज्यपाल कटारिया मीडिया से रूबरू होते हुए। उन्होंने प्रदेश की राजनीतिक स्थिति पर पूछे गए सवाल पर कहा कि अब राजस्थान की राजनीति के बारे में मुझे ज्यादा ज्ञान नहीं रहा। यहां मैं शादी समारोह में शामिल होने आया हूं।

इससे पहले भी मैं यहां पर कई बार आ चुका हूं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सक्रिय राजनीति में मेरा कोई वास्ता नहीं रहा। राज्यपाल कटारिया के दौरे को लेकर सुरक्षा की दृष्टि से चाक-चौबंद व्यवस्था की गई। चप्पे-चप्पे पर पुलिस जाब्ता भी तैनात रहा।

विधानसभा चुनाव में मतदान दलों की सुविधाओं का रखा ध्यान

सुप्रबंधन से वोटिंग प्रक्रिया रही व्यवस्थित

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विधानसभा चुनाव में मतदान प्रक्रिया व्यवस्थित तरीके से करवाने के लिए निर्वाचन विभाग की ओर से मतदान दलों के प्रशिक्षण और सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया। माइक्रो मैनेजमेंट से मतदान प्रक्रिया भी व्यवस्थित रही और एक भी मतदान केन्द्र पर पुनर्मतदान की आवश्यकता नहीं पड़ी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण गुप्ता ने बताया कि इस विधानसभा चुनाव में मतदान दलों के प्रशिक्षण से लेकर, सामग्री वितरण और टीए-डीए के ऑनलाइन भुगतान तक उनकी सहूलियत के लिए निर्वाचन विभाग की ओर से कई पहल की गईं। उन्होंने बताया कि कार्मिकों की वरिष्ठता का ध्यान रखते हुए ही मतदान दल गठित किए गए। मतदान दलों को तीन बार विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया और ईवीएम पर हैंड्स ऑन करवाया गया। गुप्ता ने बताया कि मतदानकर्मियों की सुविधा के लिए भारत निर्वाचन आयोग के अद्यतन निर्देशों को शामिल करते हुए हैंडबुक, चेकलिस्ट, डू और डॉन्ट्स एवं ब्रॉशर आदि हिन्दी भाषा में भी तैयार करवाए गए और इनकी ई-कॉपी मतदान दल के सदस्यों को उपलब्ध करवाई गई। मतदान दलों के उपयोग आने वाले प्रपत्रों को वर्गीकृत कर 5 बुकलेट तैयार करवाई गई।

मतदानकर्मियों की सुविधा के लिए इनका रंग भी अलग-अलग रखा गया। पूर्व में प्रपत्र अलग-अलग मिलने के कारण इन्हें ढूंढने में कठिनाई आती थी। इसी तरह लिफाफों के लिए भी एक बुकलेट तैयार की गई, जिसमें लिफाफे क्रम संख्या अनुसार लगाए गए।

कार्मिकों को नहीं लगना पड़ा कतार में

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदान कर्मी मताधिकार से वंचित न रह जाएं, इसे सुनिश्चित करते हुए द्वितीय प्रशिक्षण के दौरान उन्हें पोस्टल बैलट जारी कर फेसिलिटेशन सेंटर्स पर ही उनका मतदान करवा दिया गया। तृतीय प्रशिक्षण के समय मतदान केन्द्रों वार मतदान दलों को एक साथ बिठा कर प्रशिक्षण दिया गया और उन्हें उनकी सीट पर ही मतदान सामग्री उपलब्ध करवा दी गई ताकि उन्हें कतारों में नहीं लगना पड़े। उन्होंने बताया कि मतदान दलों के लिए निर्वाचन प्रक्रियाओं से सम्बन्धित 6 पॉडकास्ट तैयार करवाए गए, ये पॉडकास्ट उनके परिवहन वाहनों में भी चलाए गए।

भाजपा की चुनावी समीक्षा बैठक आयोजित

राष्ट्रीय महामंत्री सिंह का दावा-प्रचंड बहुमत से भाजपा बनाएगी सरकार

बेधड़क | जयपुर

विधानसभा चुनाव के बाद भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को समीक्षा बैठक का आयोजित की। बीजेपी प्रदेश कार्यालय पर भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एंव प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह, प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के नेतृत्व में समीक्षा बैठक का हुई।

बैठक के बाद मीडिया से रूबरू होते हुए राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने कहा कि भाजपा प्रचंड बहुमत से सत्ता में आ रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी के दौरों से माहौल बना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बढ़ी हुई वोटिंग कांग्रेस के प्रति आक्रोश था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कुराज के खिलाफ, प्रचंड बहुमत से भाजपा की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि 3 दिसंबर को पता चलेगा कि कांग्रेस की लोकप्रियता कितनी थी। बहन-बेटियों पर अत्याचार और जंगलराज के खिलाफ महिलाओं ने भाजपा को वोट किया। उन्होंने कहा कि मैंने कई राज्यों का चुनावी प्रबंधन देखा है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान विधानसभा चुनाव का प्रबंधन मजबूत और सुदृढ़ रहा। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के नेतृत्व में पूरी टीम ने सकारात्मक रूख रखते हुए निरंतर काम किया है। उन्होंने कहा कि सीपी जोशी का सरल व्यवहार और टीम मैनेजमेंट सहित संवाद और समन्वय बेहतर रहा। आवास विकास, मॉनिटरिंग, चुनाव प्रबंधन टीम और मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ के नेतृत्व में मीडिया सेंटर का बेहतर संचालन हुआ।

उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान कांग्रेस की ओर से प्रशासनिक अड़ंगे लगाए गए, लेकिन भाजपा का मतदाता इतना सजग था कि उसने इन लोगों की एक नहीं चलने दी। इस आधार पर हम कह सकते हैं कि भाजपा प्रचंड बहुमत से सत्ता में आ रही है।

रंग लाई कार्यकर्ताओं की मेहनत: जोशी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि राज्य में बीजेपी की सरकार बनेगी। मतदान प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और राज्य में ऐतिहासिक मतदान हुआ है। अब 3 दिसंबर को फैसला बीजेपी के पक्ष में आएगा। क्योंकि जनता बीजेपी और मोदीजी के साथ चल रही है। कांग्रेस के जाने और भाजपा के आने का समय आ गया है। भाजपा को जनता से अपार समर्थन और प्यार मिला है। पार्टी के लाखों कार्यकर्ताओं की मेहनत रंग लाई है। अब बीजेपी की सरकार बनने जा रही है।

जीत का सेहरा जोशी के सिर: राठौड़

नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के पगफेरे ने राजस्थान के चुनावी समर में जान फूंक दी। आगामी तीन दिसंबर को चुनावी जीत का सेहरा भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के सिर बंधना तय है। प्रदेश में सभी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने जो मेहनत की है, उसके लिए वे सभी प्रशंसा के पात्र हैं। राजस्थान में प्रचंड बहुमत से भाजपा की सरकार बनना तय है। भाजपा चुनाव प्रबंधन समिति के सह-संयोजक ओंकार सिंह लखावत ने कहा कि हमें आगामी चुनावों को लेकर इसी रणनीति के साथ काम करना है, जिससे भाजपा निरंतर सत्ता में बनी रहे। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष श्रवण सिंह बगड़ी, प्रदेश महामंत्री मोतीलाल मीणा और पूर्व राज्यसभा सांसद रामकुमार वर्मा मौजूद रहे।

आस्थाः कार्तिक माह के अंतिम सोमवार को राजधानी में अनेक धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन

गलता में 1001 कमल के फूलों से पुष्पयाग

देव दिवाली के अवसर पर जयपुर के आराध्य देव गोविंददेवजी की 11 हजार दीपकों से की गई महाआरती

बेधड़क.जयपुर। कार्तिक माह के अंतिम दिन सोमवार को राजधानी में अनेक धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। गलताजी में गलतापीठाधीश्वर स्वामी अवधेशाचार्य महाराज के सान्निध्य में चल रहे ब्रह्मोत्सव में भगवान का विष्णुसहस्रनाम के साथ 1001 कमल के पुष्पों से सामूहिक पुष्पयाग किया गया। वहीं, देव दिवाली पर गोविंददेवजी मंदिर में ठाकुरजी की 11 हजार दीपकों से महाआरती की गई। उधर, सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी का 554 का प्रकाश पर्व सोमवार को गुलाबी नगरी में धूमधाम से मनाया गया। जयपुर में मुख्य कार्यक्रम राजा पार्क स्थित गुरुद्वारे में आयोजित हुआ, जहां पर हजारों श्रद्धालुओं ने माथा टेककर अरदास की एवं लंगर प्रसादी ग्रहण की।

गलताजी में ब्रह्मोत्सव, राज्यपाल हुए शामिल

श्रीगलताजी में गलतापीठाधीश्वर स्वामी अवधेशाचार्य महाराज के सान्निध्य में ब्रह्मोत्सव में सामुहिक पुष्पयाग का आयोजन हुआ। स्वामी राघवेन्द्र ने बताया कि सुबह भगवान श्रीनिवास, श्रीदेवी व भूदेवी का दक्षिण भारतीय वस्त्रों, आभूषणों व पुष्प-मालाओं से श्रृंगार किया गया। सुसज्जित शेष वाहन में भगवान रामगोपाल के समक्ष विराजमान हुए। भगवान का विष्णुसहस्रनाम के साथ सामूहिक पुष्पयाग किया गया। कलकत्ता से मंगाए गए 1001 कमल के पुष्पों से भगवान का पुष्पयाग किया गया। भगवान को चढ़ाए पुष्प सभी में वितरित किए गए। गलतापीठाधीश्वर स्वामी अवधेशाचार्य महाराज व राघवेन्द्र ने राज्यपाल कलराज मिश्र का स्वागत किया। श्रीगलता पीठ स्थित अति प्राचीन विग्रहों के दर्शन कराए, चरणामृत दिया और भगवान की शठरी, माला व दुपट्टे से मंगलशासन किया गया। राज्यपाल ने पुष्पयाग में आहुतियां दीं। भगवान के अवभृथ स्नान में भगवान के साथ-साथ राघवेन्द्र, दक्षिण भारतीय व स्थानीय विद्वानों के साथ सैंकड़ों भक्तों ने श्रीगलता स्थित पवित्र गोपाल कुण्ड में स्नान किया। शाम को हवन व अर्चना के साथ ब्रह्मोत्सव व कार्तिक महोत्सव का समापन हुआ।

गोविंददेव मंदिर में सजी रास पूर्णिमा झांकी

कार्तिक मास के अंतिम दिन राजधानी में देव दिवाली मनाई गई। इस मौके पर गोविंददेवजी मंदिर में ठाकुर जी की 11 हजार दीपकों से महाआरती की गई। भगवान के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की सुबह 4 बजे से लंबी-लंबी कतारें लग गईं। मंदिर में रास पूर्णिमा की भी विशेष झांकी सजाई गई। इसके दर्शन शाम 7:15 बजे से लेकर 7:30 बजे तक भक्तों के लिए खोले गए। इस अवसर पर भगवान गोविंददेव को इस दिन सुनहरी पार्चा पोशाक, विशेष आभूषण और फूलों से सजाया गया। ठाकुरजी को रास उत्सव के अवसर पर खीर और खिरसा का भोग भी लगाया गया। इसके साथ ही मंदिर में ठाकुर और श्रीजी का रास का खाट भी सजाया गया। इसमें चौसर, शतरंज की झांकी भी सजाई गई। साथ में दूध पान इत्र ठाकुर जी की सेवा में रखा गया। यह जानकारी मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी ने दी।

गुरु नानक देवजी के 554वें प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारे में टेका मत्था, छका लंगर

जयपुर। जयपुराइट्स ने सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देवजी का 554वां प्रकाश पर्व सोमवार को धूमधाम से मनाया। जयपुर में कार्यक्रम राजा पार्क स्थित गुरुद्वारे में हुआ, जहां हजारों श्रद्धालुओं ने माथा टेका अरदास की व लंगर प्रसादी चखी। इस मौके पर भजन भी हुए, जिसमें हर उम्र के लोगों ने हिस्सा लिया। सुबह से ही कार्यक्रम के लिए लोग गुरुद्वारे आते रहे। इसके लिए गुरुद्वारे को सुंदर लाइटिंग से सजाया गया था।

फोटो: राजेश कुमावत

शुभ विवाह... शुभकामनाएं

जयपुर। सच बेधड़क टीवी न्यूज चैनल के प्रोग्रामिंग प्रोड्यूसर मुकेश एवं जिज्ञासा के शुभ विवाह समारोह में सच बेधड़क मीडिया ग्रुप के फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ विनायक शर्मा, मैनेजिंग एडिटर सुधांशु माथुर, एडिटर न्यूज शान नंदा, डिजिटल हेड रवि कुमार, एंकर हेड मेघा कौशिक समेत सच बेधड़क परिवार के अन्य सदस्य भी विवाह समारोह में शामिल हुए।

बच्चों की बीमारी पर चिकित्सा विभाग हुआ अलर्ट

मॉक ड्रिलः डॉक्टर्स कल जांचेंगे हम कितने तैयार

बेधड़क | जयपुर

चीन में बच्चों में फैल रही रहस्यमयी बीमारी को लेकर प्रदेश में चिकित्सा विभाग अलर्ट मोड में आ गया है। इसको लेकर विभाग की ओर से सतर्कता बरतनी शुरु हो गई। इसके लिए राज्य सरकार की ओर से जिलों के सीएमएचओ, मेडिकल कॉलेजों को दिशा-निर्देश हुए जारी किए गए। इनको सभी हॉस्पिटल, मेडिकल कॉलेजों में पर्याप्त ऑक्सीजन, दवाइयां और बेड की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं।

वहीं, बीमारी को लेकर आज खुद एसीएस शुभ्रा सिंह समीक्षा को लेकर वीसी लेंगी। बुधवार को भी मेडिकल कॉलेजों और हॉस्पिटल के अधीक्षक, प्रिंसिपल को मॉक

ड्रिल करने के भी निर्देश दिए हैं। फिलहाल राज्य में अभी तक इस तरह का कोई मामला नहीं आया है। गौरतलब है कि चीन में तेज बुखार के साथ फेफड़े फुला देने वाली इस बीमारी के फैलने की वजह से हर रोज हजारों बच्चे अस्पताल पहुंच रहे हैं।

एसएमएस और जेके लोन अलर्ट

एसएमएस और जेके लोन अस्पताल इस बीमारी से निटपने को लेकर तैयारियां शुरु की है। एसएमएस अधीक्षक अचल शर्मा ने कहा कि इस तरीके की सूचना प्राप्त हुई है कि चीन में इनफ्लुएंजा फैला है। हम कहते हैं बुखार, खांसी, जुकाम की तर्ज पर या उस जैसा वायरस वहां पर फैल रहा है जो खास दौर से बच्चों में ज्यादा देखने को मिल रहा है, इसमें खासी जुकाम बुखार की शिकायत लेकर मरीज अस्पतालों में पहुंच रहे हैं। इस दिशा में भारत सरकार और राज्य स्तर पर भी गाइडलाइन दी गई है, उसको लेकर के एसएमएस अस्पताल पूरी तरीके से तैयार है। हमारे पास विशेषज्ञों की पूरी टीम है बेड्स की व्यवस्था उचित है आईसीयू और ऑक्सीजन भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैमगर मैं सभी से यह कहना चाहूंगा, यह अपील करना चाहूंगा कि इसमें घबराने की या पैनिक होने की आवश्यकता नहीं है। अपना और अपनों का बचाव करें और किसी को खांसी, जुखाम, बुखार हो रहा है तो तुरंत उपचार ले और अन्य व्यक्तियों से दूर रहें।

बीमारी के लक्षण

बीमारी के लक्षण सामान्य खांसी जैसे ही हैं। इसमें मरीज के गले में दर्द या खराश रहती है। बुखार आता है, फेफड़े व सांस नली में सूजन हो जाती है।

“ एसएमएस मेडिकल कॉलेज की ओर से इस बीमारी को लेकर पूर्ण तैयारियां है। बुधवार को इसके लिए मॉक ड्रिल की जाएगी। लोगों को बीमारी को लेकर एकदम से घबराने की जरूरत नहीं है।

राजीव बगरगट्टा, प्रिंसिपल एसएमएस मेडिकल कॉलेज

“ वर्तमान में श्वसन रोग एवं विशेषकर कोविड-19 व म्यूकोरमाइकोसिस के रोगी भार नहीं है। शून्य केस रिपोर्ट हो रहे हैं। सर्वेलेंस के लिए पूर्व में प्रदेश के चिकित्सा विभाग को दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। संक्रामक रोगों से बचाव नियंत्रण के लिए विभाग में पूर्ण तैयारी की गई है।

शुभ्रा सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव, चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग

जरूरी खबर

बीमारी से परेशान बुजुर्ग दंपती ने मौत को गले लगाया

उदयपुर। जिले के प्रताप नगर थाना क्षेत्र के लकड़वास इलाके में सोमवार को एक बुजुर्ग दंपती ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। प्रतापनगर थाना पुलिस के अनुसार मृतक 65 वर्षीय रघुदास वैष्णव और उनकी पत्नी 62 वर्षीय मांगी बाई पिछले कई सालों से बीमारी को लेकर परेशान थे। इसके चलते उनकी मानसिक स्थिति भी खराब चल रही थी। ऐसे में पुलिस प्राथमिक जांच में इसे दिमागी हालत कमजोर होने के कारण सुसाइड करना बता रही है। सूचना पर पुलिस जब मौके पर पहुंची तो देखा कि मृतक दंपती के गले में भगवत गीता एक कपड़े में लिपटी थी।

मां की डांट से गुस्साई किशोरी ने पीया जहर

अलवर। जिले के राजगढ़ में मां की डांट से गुस्साई किशोरी ने विषाक्त पदार्थ का सेवन कर जान दे दी। बताया जा रहा है कि 9वीं की छात्रा का छोटे भाई से किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। मां के डांटने पर बेटी ने यह कदम उठाया। घटना राजगढ़ थाना क्षेत्र के बरेर गांव की है। छात्रा के चाचा ने बताया कि रविवार दोपहर में पायल मीना (14) व उसके छोटे भाई के बीच झगड़ा हो रहा था। इस कारण मां ने दोनों को डांटा था। डांटने के बाद पायल ने गुस्से में घर में रखी गेहूं में डालने की दवा को पानी में मिलाकर पी लिया। अस्पताल में इलाज के दौरान पायल ने सोमवार सुबह करीब 4 बजे दम तोड़ दिया।

सीमेंट के चैंबर में फंसे आठ फुट के अजगर का रेस्क्यू

कोटा। वर्धमान महावीर ओपन यूनिवर्सिटी में सोमवार को 8 फीट लंबा अजगर सिमेंट के चैंबर में फंस गया। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद स्नेक कैचर गोविंद शर्मा व रॉकी डेनियल ने अजगर को बाहर निकाला और सुरक्षित जगह पर छोड़ा। घटना दोपहर 12 बजे के आस-पास की है। यूनिवर्सिटी के मेन गेट से 100 मीटर अंदर अजगर चैंबर में फंसा था। चैंबर का ढक्कन छोटा था। इसके चलते अजगर के मुंह वाला हिस्सा चैंबर में पार गया, बाकी शरीर फंस गया। इस पर चैंबर के ढक्कन को तोड़ा और करीब आधा घंटे बाद अजगर को रेस्क्यू किया गया।

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर लोगों ने तीर्थस्थलों पर स्नान व पूजा के बाद किया दान-पुण्य

पवित्र जल में लगाई आस्था की डुबकी, पुष्कर में जनसैलाब

बेधड़क | अजमेर

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर सोमवार को तीर्थराज पुष्कर सहित प्रदेश की पवित्र नदियों और सरोवर पर आस्था का सैलाब उमड़ा नजर आया। लोगों ने श्रीहरि भगवान विष्णु की कृपा प्राप्ति के लिए तीर्थस्नान और दान-पुण्य किया।

इसी के साथ पिछले पांच दिनों से चल रहा पंचतीर्थ स्नान (पुष्कर का धार्मिक मेला) भी संपन्न हो गया। महास्नान के लिए श्रद्धालुओं का रैला रविवार की दोपहर बाद से ही उमड़ने लग गया था। देर शाम तक हजारों श्रद्धालु पुष्कर पहुंच गए। ब्रह्म सरोवर में महास्नान

सुबह ब्रह्म मुहूर्त में शुरू हुआ जो कि दिनभर चला। भक्तों की संख्या को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद रहा।

सुरक्षा व्यवस्था के माकूल बंदोबस्त किए गए। घाटों पर गोताखोरों को तैनात किया गया। गऊघाट, कपड़ा बाजार, ब्रह्मा मंदिर सहित कई जगह मेलार्थियों की कतारें लगी दिखी। पुष्कर सरोवर में स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने ब्रह्माजी के दर्शन किए और मेले का आनंद लिया। मेले के आखरी दिन राजस्थानी कला-संस्कृति की रंगत बिखरी नजर आई। पर्यटकों के लिए कई तरह के खेल और मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की गई। राजस्थानी लोक गीत और नृत्य की प्रस्तुतियों से कलाकारों ने सैलानियों को रोमांचित कर दिया। पुजारी लक्ष्मी निवास व कृष्णगोपाल वशिष्ठ के आचार्यत्व में ब्रह्मा मंदिर में ब्रह्माजी का वेदिक मंत्रोच्चारण के बीच अभिषेक कर मनमोहक श्रृंगार सजाया गया। मंगला आरती के दर्शन के लिए काफी श्रद्धालु पहुंचे। उधर दिन भर ब्रह्म घाट पर श्रद्धालुओं का स्नान के लिए जमघट लगा रहा। शाम को घाट पर महाआरती की गई।

चंद्रभागा मेले में आस्था और उल्लास का रोमांच

झालावाड़। जिले के झालरापाटन में प्रतिवर्ष लगने वाले राज्य स्तरीय चंद्रभागा मेले के दूसरे दिन आस्था और उल्लास का रोमांच नजर आया। एक तरफ चंद्रभागा नदी में कार्तिक पूर्णिमा स्नाने के लिए श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ा तो वहीं यहां चल रहे मेले में कई तरह की गतिविधियां आयोजित की गई। श्रद्धालुओं ने पवित्र चंद्रभागा नदी में आस्था की डुबकी लगाई और दान-पुण्य किया। पुलिस व एसडीआरएफ की टीमों ने नदी में नौकाओं द्वारा लगातार निगरानी की। चंद्रभागा मेले में दूसरे दिन सोमवार सुबह गढ पैलेस से गागरोन किले तक साइकिल रैली निकाली गई। वहीं पर्यटन स्थल से साइट सीन, सुबह 10 से शाम 5 बजे तक मैला मैदान पर हाट बैलून और गागरोन किले पर रेपलिंग, जिपलाइन, रिवर क्रासिंग, ट्रॉम पालिन जैसी साहसिक गतिविधियां हुई।

चंबल में स्नान कर किए केशवराय के दर्शन

बूंदी। जिले के केशोरायपाटन में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने चंबल (चर्मण्यवती) में स्नान कर भगवान केशवराय के दर्शन किए। स्नान का दौर रविवार रात 2:30 बजे शंखनाद के साथ शुरू हुआ, जो दिन भर जारी रहा। कार्तिक पूर्णिमा के दिन भगवान केशवराय के दर्शनों का शास्त्रों में विशेष महत्व बताया जाता है। मंदिर के मुखिया ने बताया कि अलसुबह 4 बजे मंगला आरती हुई। 5 बजे श्रृंगार आरती के बाद मंदिर के पट दर्शनार्थियों के लिए खोल दिए। मंदिर के पट दिनभर खुले रहे। इस अवसर पर ठाकुर जी का रत्नजणित श्रृंगार किया गया। महास्नान में सुरक्षा और निगरानी के लिए करीब 150 पुलिस जवान रात से ही तैनात रहे।

बनाड़ में महर्षि संदीपनी राम धर्म गोशाला से निकले 11 रथ

जोधपुर से 108 कलशों में 600 किलो घी अयोध्या के लिए रवाना

बेधड़क | जोधपुर

आयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर में जनवरी माह में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। इसके लिए देशभर के लोगों में अपार उत्साह नजर आ रहा है। रामलला की पहली आरती के लिए जोधपुर से घी भेजा गया है।

देव दीपावली के मौके पर जोधपुर के बनाड़ स्थित महर्षि संदीपनी राम धर्म गोशाला से सोमवार को 11 रथों में 600 किलो गाय का घी आयोध्या के लिए रवाना किया गया। रथों की रवानगी से पहले घी के कलशों की आरती भी उतारी गई। इसके बाद जय श्रीराम के जयकारों के बीच घी के कलशों को लेकर रथ रवाना हुए। गोशाला में पिछले 9 वर्षों से यह घी जुटाया जा रहा था।

गोशाला के संचालक महर्षि संदीपनी महाराज ने बताया कि जनवरी 2024 में रामलला मंदिर में विराजेंगे। रामलला की आरती और हवन में हमारी गोशाला में तैयार घी का इस्तेमाल किया जाएगा। यह सौभाग्य की बात है कि जोधपुर से रामकाज के लिए घी जा रहा है। उन्होंने बताया कि गोशाला से 11 विशेष रथ रवाना किए गए हैं। इन

रथों को गोशाला में ही 6 महीने से तैयार किया जा रहा था। हर रथ पर 3.5 लाख रुपए लागत आई है। इन रथों में 108 स्टील के कलश रखे हैं, जिनमें कुल 600 किलो घी है।

यह घी खासतौर से रामलला की पहली आरती और हवन के लिए ही 9 साल से तैयार करके एकत्र किया गया है। सोमवार दोपहर करीब 3 बजे रथों में कलश रखे गए और विधिवत पूजा-अर्चना की गई। एक रथ के साथ 3 सेवादारों को तैनात किया गया। बनाड़ रोड पर 22 सजे-धजे बैलों ने 11 रथों को खींचा। कुछ किलोमीटर की शोभायात्रा के बाद बैलों और रथों को ट्रकों में शिफ्ट किया जाएगा। इसके बाद यात्रा पाली पहुंचेगी। जहां फिर रथों और बैलों को ट्रकों से उतार कर शोभायात्रा चलेगी। कई शहरों में इसी तरह शोभायात्रा करते हुए ये रथ लगभग एक महीने में अयोध्या पहुंचेंगे। मुख्य रथों में घी के कलशों के अलावा शिवलिंग, भगवान गणेश और हनुमान की प्रतिमाएं, राम नाम लिखी पताका, हनुमान पताका हैं।

यात्रा पाली, अजमेर, ब्यावर, जयपुर, भरतपुर, मथुरा और लखनऊ होते हुए अयोध्या पहुंचेगी। उत्तर प्रदेश के लखनऊ शहर में यह यात्रा पांच दिन तक रहेगी। पूरे लखनऊ शहर में इस यात्रा को बैलों के साथ घुमाया जाएगा।

नौ वर्ष पहले स्थापित की गोशाला

महर्षि संदीपनी महाराज ने बताया कि 20 साल पहले 2003 में संकल्प लिया था कि अयोध्या में जब भी राम मंदिर बनेगा, उसके लिए वे देसी गाय का शुद्ध घी लेकर जाएंगे। इसी बीच साल 2014 में जोधपुर से गोकशी के लिए गायों को ट्रकों में भरकर ले जाया जा रहा रहा था हमने ट्रकों को रुकवाया तो कुल 60 गाय निकलीं। इन गायों को मुक्त कराया और आस-पास की गोशालाओं में ले गए। गोशाला वालों ने इन गायों को रखने से इनकार कर दिया। तब हमने बनाड़ क्षेत्र में श्रीश्री महर्षि संदीपनी राम धर्म गोशाला की स्थापना की और इन गायों को पालने का संकल्प लिया। गायों को पालने से पहले संकल्प था कि रामलला के लिए घी हम लेकर जाएंगे। इसलिए इन गायों से प्राप्त घी को एकत्र करते गए। यही चाहते थे कि इन गायों से जितना भी घी प्राप्त होगा, सारा घी बैलों के रथ से अयोध्या लेकर जाएंगे और भगवान राम के चरणों में समर्पित कर देंगे।

शुरुआत में लोगों ने उड़ाया मजाक

महर्षि संदीपनी महाराज ने बताया कि जब इन 60 गायों का घी जुटाना शुरू किया तो लोगों ने मजाक उड़ाया। लोग कहने लगे यात्रा कैसे पूरी होगी? इतना घी कहां से लाओगे? मैंने घी एकत्रित करना जारी रखा। 2016 में लोग हमारा सहयोग करने लगे। स्टोरेज की समस्या आई तो किसी संत से पता चला कि 5 अलग-अलग जड़ी-बूटियों के रस से घी को कई साल तक स्टोरेज किया जा सकता है। मैं हरिद्वार गया और वहां से ब्राह्मी व पान की पत्तियों समेत अन्य जड़ी-बूटियां लाया। इनका रस तैयार कर घी में मिलाया। इसके बाद इस घी को स्टील की टंकियों में डालकर AC के जरिए 16 डिग्री सेल्सियस तापमान में स्टोर किया। साठ गायों के साथ स्थापित की गई गोशाला में 9 साल में गायों की संख्या बढ़कर 350 पहुंच गई है।

बधाई में मिले नेग से कराती हैं शादी

मिसाल बनी किन्नर नीतू मौसी, दस गरीब बेटियों के किए हाथ पीले

बेधड़क | भरतपुर

शादी-विवाह एवं अन्य खुशी के मौके पर बधाई लेने वाले किन्नरों को समाज में हेय दृष्टि से देखा जाता है। वहीं भरतपुर की रहने वाली किन्नर नीतू मौसी ने समाज में एक अनूठी मिसाल पेश कर रही हैं। घरों से मिलने वाले नेग की रकम से वे हर साल गरीब कन्याओं की शादी करवाती हैं।

पूरा शहर इन्हें मौसी के नाम से जानता है। नीतू मौसी ने सोमवार को देव दीपावली के मौके पर 10 गरीब बेटियों का सामूहिक विवाह कराया। इसमें गंगा-यमुनी तहजीब साकार होती नजर आई। समारोह स्थल पर एक ओर मंडप में हिंदू रीति-रिवाज के साथ आठ बेटियों की शादी वैदिक मंत्रों के उच्चारण के साथ कराई गई वहीं दूसरी ओर कुरआन की आयतों के बीच दो मुस्लिम बेटियों का निकाह भी कराया गया। किन्नर नीतू मौसी ने बताया कि वे अब तक 150 से अधिक गरीब बेटियों की शादी करवा चुकी हैं। पूरी शादी का खर्चा वे खुद उठाती हैं। बेटियों के लिए आभूषण व सामान के साथ दावत का इंतजाम भी उनकी ओर से ही किया जाता है।

अंतिम सांस तक जारी रहेगा ये काम

किन्नर नीतू मौसी ने कहा कि सारी जिंदगी कमाया। दिल में कुछ ऐसी भावना उत्पन्न हुई कि हम लोग भी इंसान हैं, चाहे जिस भी रूप में हों। कुछ ऐसा करना चाहिए, जिससे मरने के बाद दूसरे जन्म में फायदा मिले। मेरी नजर में सबसे बड़ा दान कन्यादान है। मुझे यही उपाय समझ में आया। उन्होंने कहा, जब तक अंतिम सांस रहेगी यह कार्य तब तक जारी रहेगा।

आरोपी के खिलाफ कई थानों में दर्ज हैं मामले

ब्लैकमेलर फर्जी पत्रकार गिरफ्तार

बेधड़क | बारां

अखबार के नाम का दुरुपयोग कर लोगों को ब्लैकमेल करने वाले फर्जी पत्रकार को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार थाना कोतवाली में अक्टूबर को रामबाबू बघेरवाल निवासी शाहबाद रोड़ दीनदयाल पार्क बारां ने रिपोर्ट पेश की थी। इसमें पीड़ित रामबाबू ने आरोप लगाया था कि राकेश औदिच्य व उसका गिरोह मेरे अखबार के नाम का दुरुपयोग कर आपराधिक कृत्यों में संलिप्त हैं। जबकि मैनें अखबार किसी भी व्यक्ति को बेचा नहीं है। राकेश औदिच्य निवासी अटरु मेरे अखबार

के नाम का सहारा लेकर लोगों को ब्लैकमेल कर रहा है। इतना ही नहीं आरोपी ने जालसाजी कर मेरे फर्जी हस्ताक्षर कर षडयंत्रपूर्ण तरीके से मेरे अखबार का विक्रय कर दिया। इस संबंध में भारत सरकार व जिला मजिस्ट्रेट को भी अवगत कराया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। इसमें आरोपी राकेश औदिच्य (37) निवासी गांधी पार्क के पास खेड़लीगंज अटरु हाल निवासी थाना अनन्तपुरा कोटा शहर के खिलाफ अपराध प्रमाणित पाया गया। इस पर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई।

जिला पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपी काफी शातिर और आपराधिक प्रवृति का है। वह लोगों को ब्लैकमेल कर उनसे रुपए ऐंठने का काम करता है व लोगों के साथ धोखाधड़ी कर फर्जी न्यूज सोशल मीडिया पर प्रसारित कर उनकी छबि धुमिल करता है। आरोपी राकेश के खिलाफ कोटा व बारां व अटरु के कई थानों में लगभग एक दर्जन मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया।

सैलानियों ने रस्साकशी में दिखाया दम

पुष्कर। कार्तिक पूर्णिमा के साथ ही पुष्कर मेले का भी समापन हुआ। मेले के आखरी दिन जहां लोक कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से राजस्थानी संस्कृति का साकार किया वहीं पर्यटकों के लिए कई तरह की प्रतियोगिताएं भी हुई। मटका दौड, रस्साकशी जैसे मुकाबलों में पर्यटकों का खासा उत्साह दिखाई दिया। मुकाबले के दौरान रस्सीकशी में जोर आजमाते विदेशी पर्यटक।

अलसुबह हुए हादसों में तीन लोगों की मौत, 40 घायल

पैदल जा रहे श्रद्धालुओं को बोलेरो ने कुचला, वॉल्वो बस ट्रेलर से टकराई

बेधड़क | जैसलमेर/अजमेर

प्रदेश में सोमवार को हुए अलसुबह हुए दो हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं 40 लोग घायल हो गए। इनमें से दो को गंभीर हालत में जोधपुर रैफर किया गया। पहला हादसा जैसलमेर जिले के पोकरण में हुआ, जहां पैदल चल रहे श्रद्धालुओं को किसी वाहन ने टक्कर मार दी।

वहीं, दूसरा हादसा अजमेर में हुआ। जहां वीडियो कोच बस और ट्रेलर के बीच भिड़ंत हो गई। पुलिस ने दोनों ही हादसों में घायल लोगों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। जानकारी के मुताबिक जैसलमेर जिले के उजला गांव में सोमवार तड़के पोकरण-बाड़मेर सड़क मार्ग पर पैदल जा

रहे श्रद्धालुओं को बोलेरो ने टक्कर मार दी। जिनमें से दो श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, दो श्रद्धालु घायल हो गए। जिन्हें पोकरण के राजकीय अस्पताल लाया गया।

जहां से दोनों को गंभीर हालत में जोधपुर रैफर कर दिया। हादसा उस वक्त हुआ जब चारों श्रद्धालुओं पैदल रूणीचा धाम रामदेवरा आ रहे थे। इसी बीच चारों श्रद्धालुओं को बोलेरो ने चपेट में ले लिया। इसमें श्रद्धालु भिखी बाई व दिनेश भाई निवासी नागलपुर की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हादसे में बस ड्राइवर की मौत

इधर, अजमेर में सोमवार तड़के एक वॉल्वो बस ट्रेलर में जा घुसी। इस हादस में बस ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई और 38 यात्री घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए जेएलएन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक हादसा आदर्श नगर थाना क्षेत्र में बड़लिया पुलिया के पास हाइवे पर तड़के करीब चार बजे हुआ। बस दिल्ली से अहमदाबाद जा रही थी।

नींद में थी बस की सवारियां

हादसे के वक्त बस में सवार सभी लोग नींद में थे। इसी बीच अचानक बस एक ट्रेलर में जा घुसी। इससे यात्रियों में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस के मुताबिक 38 घायलों में से 11 यात्रियों को गंभीर चोट आई है। वहीं, मृतक बस चालक राकेश कुमार के शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

बेकाबू होकर पलटी ट्रैक्टर-ट्रॉली, दो बच्चों की मौत

दूदू। इलाकें में रविवार रात को सड़क हादसे में दो बच्चों की मौत हो गई वहीं चार लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार शादी समारोह में शामिल होकर ट्रैक्टर-ट्रॉली में बैठकर घर लौटते समय एक परिवार हादसे का शिकार हो गया। कार को साइड देने के चक्कर में ट्रैक्टर-ट्रॉली सड़क किनारे पलट गई। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। शोर सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और बड़ी मशक्कत के बाद घायलों को ट्रैक्टर-ट्रॉली से बाहर निकालकर हॉस्पिटल में पहुंचाया। हादसा दूदू जिले में महत गांव के माधोपुरा रास्ते में रविवार रात 8 बजे हुआ। दूदू थानाधिकारी इमरान मोहम्मद ने बताया कि रविवार शाम को माधोपुरा निवासी

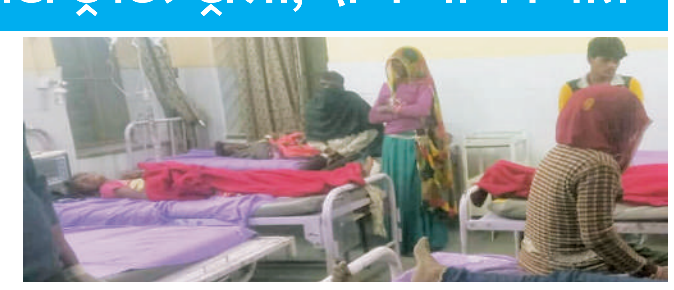

एक परिवार के लोग ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर महत गांव में शादी समारोह में गए थे। कार्यक्रम में शामिल होने के बाद गांव माधोपुरा वापस लौटते समय करीब एक किलोमीटर दूर यह हादसा हो गया। कार को साइड देने के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। अस्पताल में इलाज के दौरान राहुल (13) पुत्र गोपी बागरिया और सुमन (14) पुत्री देशराज बागरिया निवासी माधोपुरा दांतरी की मौत हो गई। वहीं हादसे में सीता (35) पत्नी रामू बागरिया, संतोष (14) पुत्री नारायण बागरिया, रामोतार (12) पुत्र राजू बागरिया, फोरनता (15) पुत्री देशराज बागरिया निवासी माधोपुरा दांतरी का उपचार चल रहा है।

चुनावी पोळ

दिनभर जोड़-भाग करैं,
एक जोड़ें, एक घट जाय।
उळझ्यो वोट की गणित को,
मन ने कुछ समझाय।।

■ गजानन

विधानसभा चुनाव | दोनों पार्टियां महिलाओं के रुख को बता रहीं अपने पक्ष में

कांग्रेस के दिग्गजों की सीटों पर मतदान में महिलाएं आगे

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश के विधानसभा चुनाव में इस बार महिलाओं ने अपने मताधिकार का जमकर प्रयोग किया है। प्रदेशभर में महिलाओं का वोटिंग प्रतिशत 74.72 प्रतिशत रहा है जो पुरुषों के मत प्रतिशत से 0.19 प्रतिशत अधिक है। इस आंकड़े में एक खास बात है जिसने राजनीतिक पंडितों को नए एंगल से सोचने के लिए मजबूर कर दिया है।

दरअसल, कांग्रेस के दिग्गज नेताओं के क्षेत्र में महिलाओं ने मतदान में खास उत्साह दिखाया है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित अन्य दिग्गज मंत्रियों व विधायकों के क्षेत्र में महिलाओं ने मतदान में पुरुषों को पछाड़ा है। इन क्षेत्रों में महिलाओं का वोटिंग प्रतिशत पुरुषों के वोटिंग प्रतिशत से 6 से 10 प्रतिशत तक अधिक रहा है। भाजपा इसका राजनीतिक अर्थ जहां महिला अत्याचार, बलात्कार, घरेलू हिंसा, छेड़छाड़ सहित अन्य अपराधों में राजस्थान के देश में नम्बर वन होने से महिलाओं में सरकार के प्रति नाराजगी से जोड़कर बता रही है। वहीं कांग्रेस इसे सरकार की योजनाओं खासकर मोबाइल वितरण के असर से जोड़कर बता रही है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के क्षेत्र लक्ष्मणगढ़ में पुरुषों की तुलना में महिलाओं ने करीब 10 प्रतिशत अधिक मतदान किया है। दातारामगढ़ में पति और पत्नी के बीच हो रहे मुकाबले में कांग्रेस से वीरेन्द्र सिंह प्रत्याशी है। यहां महिलाओं ने पुरुषों से करीब 6 प्रतिशत अधिक मतदान किया है। कांग्रेस प्रत्याशी चेतन डूडी के निर्वाचन क्षेत्र डीडवाना में महिलाओं ने 8 प्रतिशत अधिक मतदान किया है।

रानीवाड़ा में महिलाओं का 4 प्रतिशत अधिक मतदान हुआ है। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष दीपेन्द्र सिंह शेखावत के निर्वाचन क्षेत्र श्रीमाधोपुर में भी महिलाओं ने पुरुषों की तुलना में 4 प्रतिशत मतदान अधिक किया है। प्रदेश की 199 सीटों पर हुए मतदान के आंकड़ों में करीब 5 दर्जन विधानसभा क्षेत्रों में महिलाएं मतदान करने में पुरुषों से आगे रही है। इसमें खास बात यह भी है कि महिलाओं ने आदिवासी बहुल वागड़, शेखावाटी और मारवाड़ क्षेत्र में अधिक मतदान किया है।

कांग्रेस जोड़ रही योजनाओं से

बड़े कांग्रेस नेताओं की सीटों पर बढ़े हुए महिलाओं के मतदान को कांग्रेस अपनी सरकार की महिला कल्याणकारी योजनाओं से जोड़कर देख रही है और इसे महिलाओं का सरकार पर विश्वास बता रही है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि मोबाइल वितरण जैसी योजनाओं के चलते महिलाएं कांग्रेस सरकार को रिपीट करना चाहती हैं जिसके चलते इन क्षेत्रों में उन्होंने बंपर मतदान किया है।

भाजपा मान रही सरकार से नाराजगी का संकेत

भाजपा नेता इन सीटों पर महिलाओं के अिधक मतदान को राज्य में महिला अपराधों से जोड़कर देख रहे हैं। भाजपा नेताओं का कहना है कि पिछले पांच साल में महिला अत्याचार, बलात्कार, घरेलू हिंसा, छेड़छाड़ सहित अन्य अपराधों में राजस्थान देश में नम्बर वन हो गया है, जिसका गुस्सा महिलाओं ने कांग्रेस के बड़े नेताओं की सीटों पर सरकार के विरोध में बंपर मतदान कर निकाला है।

यूं आगे रही नारी शक्ति

क्षेत्र	पुरुष	महिला
लक्ष्मणगढ़	71.95	81.26
मंडावा	69.14	79.18
थानागाजी	74.28	78.15
दातारामगढ़	72.49	78.58
सागवाड़ा	69.08	78.55
पोकरण	87.40	88.23
घाटोल	85.30	85.40
शाहपुरा	83.27	84.44
बायतु	81.90	85.04
शिव	82.00	84.81
तारानगर	81.35	83.78
भादरा	82.22	82.74
चौरासी	81.34	82.20
गुड़ामालानी	79.23	82.66
धरियावद	78.85	82.13
रानीवाड़ा	76.94	78.94
गढ़ी	75.05	80.14
राजाखेड़ा	76.04	78.98
सादुलपुर	75.97	78.90
चुरू	75.24	78.52
उदयपुरवाटी	74.24	78.83
चौहटन	74.37	78.02
खंडेला	73.08	78.39
नांवा	73.40	76.08
खेतड़ी	72.61	76.38
आसींद	73.19	75.22
आसपुर	70.30	77.24
नवलगढ़	70.67	76.88
डीडवाना	69.68	77.43
खेरवाड़ा	70.30	74.78
धोद	69.47	74.69
नीमकाथाना	69.80	74.12
लाडनूं	67.87	75.74
सलूंबर	69.87	73.34
फतेहपुर	65.68	76.29
भीम	65.67	75.10
श्रीमाधोपुर	67.59	71.85
सिरोही	62.92	69.35
जालौर	60.62	65.08
सुमेरपुर	58.91	64.20
मारवाड़ जंक्शन	58.51	64.32
आहोर	57.85	64.99

बिहाइंड द कर्टेन

स्पष्ट बहुमत का दावा बनाम अंडर करंट

मौसम की तरह बहुत कुछ बदल गया। मतदान होने तक क्या-क्या इंतजाम नहीं थे। हर तरफ चकाचौंध नजर आ रही थी। अब सन्नाटा है। नेताओं ने जनता और कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दे दिया। फाइनल परसेंटेज भी आ गया। कुल मिलाकर ज्यादा ऊपर-नीचे नहीं हुआ। कई सीटों पर हुआ भी। इनसे क्या संकेत मिले। एक्सपर्ट जोड़-बाकी कर रहे हैं। सबके अपने हिसाब हैं। नेता अपने लिए अच्छे संकेत मान रहे हैं। अण्डर करंट की उम्मीद है। स्पष्ट बहुमत के दावे हैं। फिलहाल साफ तौर पर कुछ कहा नहीं जा सकता। नतीजे आने पर ही पता चलेगा कि जन मानस किसके पक्ष में था। तब तक यही सब चलता रहेगा। रिजल्ट के लिए तैयार रहिए। फिर एक तरफ जश्न होगा। सीएम चुनने की कवायद शुरू होगी। फैसला विधायक दल की बैठक में होगा या आलाकमान थोपेगी। चुनाव से पहले कोई चेहरा नहीं था। सब कुछ आसानी से निपट जाएगा। या पार्टियों के अंदर की खेमेबाजी खुलकर सामने आएगी। हारने वाले खेमे में टांग खिंचाई होगी। विरोध के स्वर उठेंगे। एक परिस्थिति हंग असेम्बली की बन सकती है। फिर जोड़-तोड़ का खेल होगा। हर सिचुएशन के लिए अलग-अलग प्लान तैयार किए जा रहे हैं। जीतने की सम्भावना वाले बागियों-निर्दलीयों से सम्पर्क साधा जा रहा है। आड़े वक्त में ये ही काम आएंगे। अभी तो तेलंगाना में जोर आजमाइश चल रही है। इन सब से निपटे तो फिर अयोध्या। इसके बाद अगले लोकसभा चुनाव का धूमधड़ाका शुरू हो जाएगा। नए राजनीतिक समीकरण होंगे। राज्यों के नतीजों के हिसाब से देश की राजनीति बदल जाएगी। किसी को नजर आए ना आए विकास की बातें होंगी। शासकों को पता है विकास की बातों से सत्ता नहीं मिलती। फिर से युवा, महिलाएं, रोजगार, किसान, गरीब कल्याण जैसे मुद्दों का शोर मचेगा। मुफ्त का राशन यानि रेवड़ियां होंगी। कल्याणकारी नीतियों का तड़का होगा। पानी-बिजली और बेघरों को पक्की छत की बातें होंगी। देश की सीमाओं की सुरक्षा और आतंकवाद भी होगा। राष्ट्रवाद बनाम साम्प्रदायिकता होगी। बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक होंगे। देश के बड़े तबके, खासकर हिंदी भाषी राज्यों में ये बातें प्रभावित करती हैं। हर चुनाव में ये ही बातें होती हैं।

■ यायावर

थड़ी पॉलीटिक्स

इंतजार करो... जैसा बीज बोया है वैसी ही फसल उग जाएगी

स्थान मालवीयनगर | समय दोपहर 12:30 बजे

जयपुर

दो महीने जमकर हंगामा चला और एक दिन के कार्यक्रम के बाद सब शांत हो गया। सारा जोश, सारा उत्साह जैसे छुट्टी पर चला गया है और जल्दी ही वापस लौटेगा। नई सरकार लेकर लौटता है या उसी पुरानी सरकार के साथ ये देखने वाली बात होगी। फिलहाल सीन ऐसा है कि जिन नेताओं ने अपनी पूरी ताकत मैदान में झोंक रखी थी, अभी आराम फरमा रहे हैं। शरीर आराम की मुद्रा में हैं पर दिमाग उसी गति से दौड़ रहा है। हर कोई अपने पक्ष के समीकरण ढूंढ रहा है, दूसरे पक्ष की गणित को नकार रहा है। हर कोई मानकर बैठा है कि आने वाला टाइम उसी का है। और नेताओं का टाइम लाने वाली जनता भी अपने अपने कयासों में व्यस्त है कि वोट सरकार बनाने में काम आया या सरकार बिगाड़ने में। कुल मिलाकर एक बड़े धमाके से पहले की शांति हर तरफ पसरी है। अब इस शांति के बीच भी जो राजनीतिक खिचड़ी लोगों के दिमाग में पक रही है उसका स्वाद लेने हम पहुंचे हैं मालवीयनगर में गौरव टावर के पास स्थित एक कैफे पर। यहां कॉफी की चुस्कियां ले रहे युवाओं में बात मतदान की चल रही है- “भाई, तेरा तो फर्स्ट टाइम वोट था ना, किसको दिया।” एक युवा ने दूसरे से पूछा तो जवाब तीसरे ने दिया-“वोट प्राइवेट होता है भाई, इससे पहले ये पूछ कि इसने वोट किया है या नहीं किया। अगर किया होगा तो ही इस बात का मतलब है कि किसको किया।” बात वोट करने ना करने की आई तो पहले वाले ने अपनी उंगली पर निशान दिखाते हुए कहा-“ये देख लो सबूत, भाई तीन साल से वेट कर रहा था मैं तो वोट डालने का। अब जब पावर मिला है तो उसे यूज क्यों नहीं करूंगा। और यूज भी ऐसा किया है कि सबके काम आए। अब तो बस 3 का इंतजार है, जिससे पता चले कि मेरे वोट का हुआ क्या है।” रिजल्ट की बेताबी देखी तो सामने वाले ने अपना ज्ञान दिया- “भाई, तूने तो अपना काम कर ही दिया, अब चिल कर। तूने सोच समझकर जो तुझे अच्छा लगा उसको वोट कर दिया अब तेरे-मेरे हाथ में कुछ नहीं है। अब तो मशीन खुलेंगी तब ही सब सामने आएगा। पर इतना पक्का है अगर तूने सारे कैंडीडेट्स को अच्छे से एनलाइज करके वोट किया है तो तेरा वोट बेकार नहीं नहीं गया। जैसा बीज डाला है वैसी ही फसल उग जाएगी।” कॉफी खत्म कर एक दूसरे को थम्स अप करते हुए तीनों ने यहां से विदा ली।

पॉली क्लिक्स

नया मैदान: राजस्थान में मतदान होने के बाद प्रदेश के नेता तेलंगाना चुनाव में कैम्पेनिंग में जुटे हैं। पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने सोमवार को हैदराबाद में युवाओं से रोजगार पर चर्चा कर कांग्रेस के पक्ष में माहौल बनाया।

पॉली टून

चुनावी इतिहास के झरोखे से

■ गुलाब बत्रा, वरिष्ठ पत्रकार
gulabbatra@gmail.com

मुहूर्त के समय नामांकन दाखिल नहीं कर पाए थे गहलोत... चुनाव में मिली थी हार

लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव सम्पन्न कराने के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही टिकट मिलने से लेकर चुनाव नतीजों को लेकर ज्योतिषविदों के यहां माथा टेकने का चलन लोकप्रियता के शिखर पर है। सियासी किस्मत जानने की जुगत के अनेकानेक किस्सों की गूंज चुनावी इतिहास के झरोखे से सुनी जा सकती है।

शुभ मुहूर्त पर नामांकन पत्र दाखिल करने से जुड़ी खबरें मीडिया की सुर्खियां बनी हैं। तो एक किस्सा राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के चुनावी सफर से प्रस्तुत है। गहलोत ने 1980 में पहली बार जोधपुर लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा और दो बार जीते। वर्ष 1989 में तीसरे चुनाव का अवसर आया। नामांकन के समय यह लेखक भी उपस्थित था। तब का आंखों देखा हाल- जोधपुर कलेक्टरी भवन। नामांकन जुलूस की समाप्ति। गिने-चुने लोग गहलोत के साथ जिला निर्वाचन अधिकारी के कक्ष में पहुंचते हैं। वरिष्ठ एडवोकेट मख्तूर मल सिंघवी की देखरेख में नामांकन पत्र दाखिल किया जाना है। रणनीति के तहत लूणी विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ विधायक रामसिंह विश्नोई से नामांकन पत्र के एक अतिरिक्त सैट पर हस्ताक्षर कराए जाने हैं। इसके लिए विश्नोई के मतदाता क्रमांक की अधिकृत प्रति मंगवाई गई है। इसे आने में विलम्ब हो रहा है। सिंघवी बार बार घड़ी देख रहे हैं। तय मुहूर्त का समय निकलने को है। किसी सरकारी कारिन्दे को दौड़ाया जाता है। सबकी निगाहें जिला निर्वाचन अधिकारी के कक्ष के दरवाजे पर टिकी हैं। जरा सी आहट पर चौकन्ने हो जाते हैं। विलम्ब इतना कि मुहूर्त समय निकल गया।

सिंघवी के माथे की सलवट चढ़ गई है। मुद्रा और गम्भीर हो गई है। कुछ देर पश्चात संबंधित दस्तावेज आते है, विश्नोई के हस्ताक्षर के पश्चात फिर घड़ी देखी जाती है। और फिर भारी मन से नामांकन पत्र प्रस्तुत किया जाता है।

66 हजार वोट से हार गए थे गहलोत

बुझे मन से नामांकन पत्र दाखिल हो गया। समर्थकों के चेहरे उदास हैं। इस चुनाव में कुल जमा 21 प्रत्याशी मैदान में रहे। लेकिन गहलोत के लिए यह परिणाम 21 नहीं रहा। उनके प्रतिद्वंद्वी भाजपा के जसवंत सिंह को 2 लाख 95 हजार 993 (50.27%) और अशोक गहलोत को 2 लाख 29 हजार 747 (39.02%) वोट मिले। जीत का अंतर 66 हजार 246 रहा। संयोग देखिए कि चुनाव में अशोक कुमार नामक एक प्रत्याशी को 6812 तथा जसवंत सिंह पुत्र धन सिंह को 1852 और जसवंत राज को 523 वोट मिले। गहलोत की पराजय के कारणों में निर्धारित मुहूर्त पर नामांकन पत्र दाखिल नहीं होना भी समझा गया।

भीलवाड़ा का कारोई है प्रसिद्ध

चुनाव टिकटार्थियों का भीलवाड़ा जिले के कस्बा कारोई में तो मेला लग जाता है। भृगु संहिता से गणना करने वाले ज्योतिषियों की शरण में आने वालों का दिन रात तांता लगा रहता है। कई नेता तो चोरी छिपे, मुंह ढक कर अपना भविष्य जानने आते हैं। और अब जोतिषियों ने सोलहवीं विधानसभा के चुनाव में 25 नवम्बर मतदान के दिन प्रत्याशियों की राशि से हार जीत का हिसाब किताब लगाने का दावा किया है। तीन दिसम्बर को होने वाली मतगणना से इसका मूल्यांकन होगा।

इंदिरा गांधी ने जयपुर के ज्योतिषी से पूछा था भविष्य

तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को भी ज्योतिष विद्या से मोह था। आपातकाल के पश्चात वे 1977 का चुनाव हार गईं। लेकिन 1980 के चुनाव में वह पुनः सत्तारुढ़ हुईं। चुनाव से पहले दिसम्बर 1979 में जयपुर में आम सभा के पश्चात वह सी-स्कीम निवासी ज्योतिषाचार्य पंडित दीनानाथ शर्मा से मिलीं। पंडित जी ने अच्छे समय में पुनः सत्ता में लौटने का संकेत दिया। पुन: प्रधानमंत्री पद पर आसीन होने के पश्चात वह सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती दीनानाथ जी को देखने आईं।

मिट्टी में कम हो रही है कार्बन की मात्रा

ज्ञानेन्द्र रावत
वरिष्ठ पत्रकार व पर्यावरणविद्

अब यह स्पष्ट हो चुका है कि जलवायु परिवर्तन के कारण हमारे ग्रह और हमारी भावी पीढ़ी का अस्तित्व खतरे में है। इसमें बढ़ते तापमान की भूमिका महत्वपूर्ण है। यदि नासा के प्रमुख बिल नेल्सन की मानें तो साल 2023 की गर्मी ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। दुनिया के वैज्ञानिकों ने आशंका जताई है कि जिस तरह तापमान में बढ़ोतरी हो रही है और गर्मी ने पिछले 143 साल का रिकॉर्ड तोड़ा है, उसको दृष्टिगत रखते हुए इसमें कोई संदेह नहीं है कि आने वाला साल 2024 इससे भी गर्म होगा। दुनिया में बीते बरसों में घटी अप्रत्याशित घटनाएं जैसे बाढ़, सूखा, अत्याधिक तापमान के कारण हीटबेव और जंगलों में आग की घटनाओं में बेतहाशा बढ़ोतरी इसका जीता-जागता सबूत है। यह भी कि हमने अपनी ही कारगुजारियों से प्रकृति का संतुलन बिगाड़ दिया है। यह सब अंधाधुंध विकास का परिणाम है जिसने मानव सहित असंख्य जीवों के अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा पैदा कर दिया है। इसके प्रभावों का ही परिणाम है कि मौसम के रौद्र रूप ने पूरी दुनिया को तबाही के कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है। इससे न दुनिया के महासागर, समुद्री तट, पर्यावरण, मानव स्वास्थ्य, जमीन, न वनस्पति, न पहाड़, न नदी, न पानी, न हवा, न खेती, जीव-जंतु यहां तक कि इंसान भी, कहने का तात्पर्य यह कि कोई भी इससे दुष्प्रभावित हुए नहीं बचा है।

कुल मिलाकर कोई भी इसके असर से अछूता नहीं रहा है। इसका सबसे ज्यादा असर हमारी बहुमूल्य जमीन पर पड़ा है। वैज्ञानिक शोध और अध्ययन इसके प्रमाण हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह मरुस्थलीकरण है। इसका असर आने वाले दिनों में विकासशील देशों के 1.3 से 3.2 अरब लोगों पर पड़ेगा। संयुक्त राष्ट्र द्वारा लैंड डिग्रडेशन न्यूट्रीलिटी टारगेट सेटिंग की रिपोर्ट में इसका खुलासा हो चुका है। इसके परिणामस्वरूप बंजर और मरुभूमि में जमीन के तब्दील होने के कारण मिट्टी में कार्बन की मात्रा कम हो रही है, जिससे ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में बढ़ोतरी हो रही है। इस बारे में इंटर गवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज की मानें तो बड़े पैमाने पर कार्बन को खुद में समेटे पर्माफ्रास्टम या तुषार मिट्टी कहें या जमी हुई मिट्टी, अब ढीली पड़कर बिखरने लगी है। दरअसल तुषार मिट्टी या जमी हुई मिट्टी वह है जो शून्य डिग्री तापमान होने से जम चुकी होती है या वह ठोस रूप अख्तियार कर चुकी होती है। जो इलाके बर्फ से नहीं ढंके होते हैं वहां यह मिट्टी की एक परत के नीचे होती है। गौरतलब है कि ग्रीन हाउस गैसों के कुल वैश्विक उत्सर्जन में कृषि, वन और भूउपयोग की हिस्सेदारी लगभग एक तिहाई से ज्यादा है। आईपीसीसी के अनुसार खेतों और घास के मैदानों की मिट्टी में कार्बन सोखने की क्षमता प्रति बरस 0.4 -8.6 गीगाटन होती है जो अमरीका द्वारा चरम स्थिति में उत्सर्जित सालाना प्रदूषण के डेढ़ गुणा के बराबर है, लेकिन कृषि पद्धतियों व भूउपयोग में लाए जाने वाले तरीकों से इसमें बदलाव संभव है। जंगलों के कटान के कारण ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में बढ़ोतरी है। फिर भूक्षरण के कारण मिट्टी में कार्बन तत्वों के घनत्व में कमी आने के कारण उसी जमीन पर पनपने वाले वन पुराने वनों के स्तर की भरपाई कतई नहीं कर पाते। यही नहीं वन प्रबंधन से वन भूमि पर कार्बन के भंडार को कम किये जाने के प्रयास से भी उत्सर्जन बढ़ता है। जबकि देखा गया है कि पारंपरिक खेती के उपयोग वाली मिट्टी लगातार होने वाले ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन का स्रोत बनी रहती है। जबकि कृषि भूमि की मिट्टी खेती में इस्तेमाल में लाए जाने से पहले 20 से 60 फीसदी तक जैविक कार्बन को खो देती है। इसमें दो राय नहीं कि औद्योगिक क्रांति के बाद से ही पारिस्थितिक तंत्र में बदलाव के कारण मिट्टी में कार्बन की मात्रा घटी है। यह सिलसिला आज भी बदस्तूर जारी है।

> “जंगलों के कटने के कारण ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में बढ़ोतरी है। फिर भूक्षरण के कारण मिट्टी में कार्बन तत्वों के घनत्व में कमी आने के कारण उसी जमीन पर पनपने वाले वन पुराने वनों के स्तर की भरपाई कतई नहीं कर पाते। यही नहीं वन प्रबंधन से वन भूमि पर कार्बन के भंडार को कम किए जाने के प्रयास से भी उत्सर्जन बढ़ता है।”

नेचर क्लाईमेट चेंज में प्रकाशित हेल्महोल्ट्ज सेंटर फॉर इनवायरमेंटल रिसर्च के अनुसार जलवायु परिवर्तन से दुनिया के कई इलाकों में मिट्टी की पानी सोखने की क्षमता कम हो सकती है। इसका भूजल आपूर्ति, खाद्य उत्पादन, जैव विविधता और पर्यावरण प्रणालियों पर भी गंभीर असर पड़ रहा है। इसमें गरमी के दिनों में बढ़ोतरी होगी। यदि देश के प्रधानमंत्री मोदी जी की मानें तो जैविक खेती कृषि पारिस्थितिकी और जैव विविधता के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निर्वहन करती है। कारण ऐसी खेती से जमीन के पानी सोखने की क्षमता बढ़ जाएगी और उर्वरकों के इस्तेमाल के खतरों से भी बचा जा सकेगा। लेकिन यह भूमि प्रबंधन के तौर तरीकों में बदलाव, मिट्टी के कार्बन सोखने की क्षमता बढ़ाने की गरज से गहराई तक जड़ें फैलाने वाले पौधे लगाने, कृषि वानिकी, आर्गेनिक सामग्री का इस्तेमाल किए जाने, फसल चक्र में बदलाव लाने, मिट्टी की किस्म, भूप्रबंधन वर्तमान और पूर्व में इस्तेमाल की गयी पद्धतियों, पर्यावरणीय स्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए किए जाने से ही संभव है। इससे जहां मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार होगा,मिट्टी की कार्बन सोखने की क्षमता भी अपेक्षित बिंदु तक पहुंच सकेगी और फसल उत्पादन में बढ़ोतरी और किसान भी लम्बी अवधि में लाभान्वित होंगे, लेकिन इसमें सबसे बड़ी बाधा जलवायु परिवर्तन की समस्या है जिससे समूचे वैश्विक समुदाय को निपटना होगा। तभी कुछ बदलाव की उम्मीद की जा सकती है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

इस्लामिक रीति-रिवाज और परंपराओं को खत्म कर रहा ड्रेगन

मुस्लिम पहचान मिटाने पर आमादा चीन

अरविंद जयतिलक
स्वतंत्र टिप्पणीकार

मानवाधिकार के क्षेत्र में काम करने वाले अंतरराष्ट्रीय संगठन 'ह्यूमन राइट्स वॉच' ने खुलासा किया है कि चीन अपने शिनजियांग प्रांत के अलावा अन्य क्षेत्रों में भी मस्जिदें बंद कराने की दमनकारी नीति पर आमादा है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चीनी अधिकारियों ने उत्तरी नीशिआ और गांसू प्रांत में मस्जिदें बंद करा दी हैं। मस्जिदों की वास्तुकला शैलियों को भी खत्म किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने 2016 में धर्मों को चीन के अनुरूप करने का आह्वान किया था और उसके बाद ही मुस्लिम पहचान मिटाने का खेल शुरू हो गया। संयुक्त राष्ट्र की पिछले वर्ष की रिपोर्ट में ही कहा गया कि चीन शिनजियांग में 'मानवता के खिलाफ अपराध किए हैं जिसमें गैर-न्यायिक नजरबंदी शिविरों के नेटवर्क का निर्माण भी शामिल है।'

गौरतलब है कि चीन इन शिविरों में दस लाख उईगर, हुई, कजाख और किर्गिज लोगों को रखा हुआ है। ऑस्टेलियन स्ट्रैटेजिक पॉलिसी इंस्टीट्यूट (एएसपीआई) द्वारा भी खुलासा किया जा चुका है कि चीन अपने पश्चिमी इलाके शिनजियांग प्रांत में 2017 के बाद 8500 से अधिक मस्जिदों को ध्वस्त कर चुका है। उसने अक्सू में कम से कम 400 कब्रिस्तानों को अपवित्र कर उनके स्थान पर दूसरे ढांचे खड़े किए हैं। ऑस्टेलियन स्ट्रैटेजिक पॉलिसी इंस्टीट्यूट (एएसपीआई) की मानें तो उसकी यह रिपोर्ट उपग्रह चित्रों के नमूनों पर आधारित है। संयुक्त राष्ट्र की नस्ली भेदभाव उन्मूलन समिति द्वारा भी कहा जा चुका है कि उसने 10 लाख से ज्यादा उइगर मुसलमानों को कथित तौर पर कट्टरवाद विरोधी गुप्त शिविरों में कैद कर रखा है। 20 लाख से अधिक मुसलमानों पर विचारधारा बदलने का दबाव बना रहा है।

> “वर्ष 2015 में चीन के दक्षिणी हिस्से गुआंग्शी स्वायतशासी क्षेत्र में डेढ़ दर्जन लेटर बम धमाके हुए थे। इस धमाके में तकरीबन आधा दर्जन लोगों की मौत हुई थी और पांच दर्जन से अधिक लोग बुरी तरह घायल हुए थे। सरकार ने जांच में पाया कि यह कृत्य अतिवादी इस्लामिक कट्टरपंथियों का है, जिनमें शिंजियांग प्रांत के उइगर मुस्लिम युवा शामिल हैं।”

इस रिपोर्ट के मुताबिक सामाजिक स्थिरता और धार्मिक कट्टरता से निपटने के नाम पर चीन ने उइगर स्वायत क्षेत्र को कुछ ऐसा बना दिया है जो गोपनीयता के आवरण में ढंका बहुत बड़ा नजरबंदी शिविर जैसा है। इन शिविरों में जबरन राष्ट्रपति शी चिनपिंग की वफादारी की कसमें दिलाई जाती हैं और कम्युनिस्ट पार्टी के नारे लगवाए जाते हैं। अमेरिका भी कह चुका है कि चीन में धार्मिक स्वतंत्रता संकट में है। दरअसल चीन की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी ने यहां के 16 वर्ष के कम उम्र के बच्चों को धार्मिक गतिविधियों में शिरकत करने पर पाबंदी लगा दी है। इस पाबंदी से वहां के मुस्लिम समुदाय के लोगों को अपनी धार्मिक मान्यताओं के अनुकूल आचरण करना कठिन हो गया है।

गौर करें तो यह स्थिति सिर्फ लिक्शिया प्रांत तक ही सीमित नहीं है। चीन के अन्य मुस्लिम बहुल प्रांतों में भी कमोवेश ऐसी ही स्थिति है। चीन की सरकार ने इन प्रांतों में धार्मिक शिक्षा पर रोक लगा दी है। जिन मस्जिदों में कभी हजारों बच्चे कुरान पढ़ने के लिए आते थे, अब वहां उनका प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित है। बच्चों के परिजनों को भी हिदायत दी गई है कि वे बच्चों को मस्जिदों में कुरान पढ़ने के लिए न भेजें, क्योंकि इससे वे धर्मनिरपेक्ष पाठ्यक्रमों पर ध्यान नहीं दे पाते हैं। यहां के स्थानीय प्रशासन ने उन छात्रों की तादाद घटा दी है, जिन्हें 16 साल से अधिक उम्र के चलते मस्जिदों में पढ़ने की अनुमति मिली हुई है। मस्जिदों में नियुक्त किए जाने वाले नए इमामों के लिए प्रमाण पत्र हासिल करने की प्रक्रिया को भी सीमित कर दिया गया है। चीन की कम्युनिस्ट सरकार शिनजियांग प्रांत में और भी अधिक कठोरता से पेश आ रही है। यहां के रहने वाले उइगर समुदाय के लोगों को शिक्षा शिविरों में डाल दिया गया है, जहां उन्हें कुरान पढ़ने या दाढ़ी रखने की सख्त मनाही है। गत वर्ष चीन की सरकार ने यहां के मुस्लिम समुदाय के लोगों को चेतावनी दी थी कि वे नाबालिगों को कुरान पढ़ने के लिए या धार्मिक गतिविधयों में भाग लेने के लिए मस्जिदों में न जाने दें और न ही इसका समर्थन करें। अगर वे ऐसा करते हैं तो उन्हें दंड भुगतना होगा।

सरकार के इस रवैये से यहां रह रहे मुसलमानों के मन में इन प्रतिबंधों से यह धारणा पनपने लगी है कि सरकार उनकी रीति-रिवाज और परंपराओं को खत्म करने पर आमादा है। उइगर समुदाय को लग रहा है कि सरकार 1966 का माहौल निर्मित करना चाहती है, जिस दौरान मस्जिदों को ढहा दिया गया फिर जानवरों को रखने की जगह के रूप तब्दील कर दिया गया। दरअसल गौर करें तो चीन उइगर मुस्लिमों पर इसलिए ज्यादती कर रहा है कि विगत वर्षों में चीन में कई आतंकी घटनाएं हुई हैं, जिनमें कट्टरपंथी मुस्लिम संगठनों का हाथ रहा है। 2015 में चीन के दक्षिणी हिस्से गुआंग्शी स्वायतशासी क्षेत्र में डेढ़ दर्जन लेटर बम धमाके हुए थे। इस धमाके में तकरीबन आधा दर्जन लोगों की मौत हुई थी और पांच दर्जन से अधिक लोग बुरी तरह घायल हुए थे। सरकार ने जांच में पाया कि यह कृत्य अतिवादी इस्लामिक कट्टरपंथियों का है जिनमें शिंजियांग प्रांत के उइगर मुस्लिम युवा शामिल हैं। चीन उईगर मुसलमानों की निष्ठा को लेकर तब से सशंकित है जब चीन में ओलंपिक हुआ था और उस समय उइगर समुदाय के 122 विद्रोहियों ने खुलेआम विरोध किया था। नतीजा ओलंपिक समाप्त होने के बाद चीन की सरकार ने सभी विद्रोहियों को गोलियों से भून दिया था। चीन की सरकार इस नतीजे पर है कि भले ही उसने तत्कालीन आक्रोश को दबा दिया, लेकिन उसकी आग अभी बुझी नहीं है। चूंकि इस्लामिक आतंकी संगठन पहले ही शिनजियांग प्रांत को इस्लामिक राष्ट्र बनाने का आह्वान कर चुके हैं ऐसे में चीन एक रणनीति के तहत उइगर मुसलमानों के खिलाफ काम कर रहा है। शिंजियांग प्रांत की बात करें तो यह प्रांत प्रारंभ से ही संवेदनशील रहा है। यहां 40 से 50 फीसदी आबादी उइगर मुसलमानों की है जिसे काबू में करने के लिए वह एक विशेष रणनीति के तहत यहां हान वंशीय चीनियों को बड़ी संख्या में बसाना शुरू कर दिया है। नतीजा उइगर मुसलमानों की संख्या सिकुड़ने लगी है। वह चीनी हान वंशियों की आबादी के आगे अल्पसंख्यक बन कर रह गए हैं। ऐसे में उइगर मुसलमानों को अपनी संस्कृति को लेकर चिंता बढ़ गई है। यहीं वजह है कि वे चीनी सरकार से स्वायतता की मांग कर रहे हैं।

चीनी साम्यवादी सरकार को उइगर मुसलमानों की यह मांग नाजायज और असहज करती है। उसे इस मांग में आतंकियों की साजिश नजर आती है। यही कारण है कि चीन इस मांग को लगातार खारिज करता रहा है। बहरहाल चीन चाहे जिस नतीजे पर हो लेकिन उसे अपने लोगों की धार्मिक स्वतंत्रता का सम्मान करना चाहिए। उसे समझना होगा कि अगर उसकी धरती पर आतंकी गतिविधियां बढ़ रही हैं तो उसके लिए सिर्फ वहां रहने वाला मुस्लिम समुदाय ही जिम्मेदार नहीं है। सच तो यह है कि उसकी नीतियां भी जिम्मेदार हैं। दुनिया देख रही है कि वह किस तरह पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मुहम्मद के प्रमुख और पठानकोट आतंकी हमले के मास्टरमांइड मसूद अजहर का बचाव करता है। उचित होगा कि वह अपने नागरिकों की धार्मिक स्वतंत्रता और मानवाधिकार का हनन करने के बजाए आतंकी संगठनों को प्रश्रय देना बंद करे।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

जब चुनाव आते हैं...

मनीष कुमार चौधरी
व्यंग्यकार

जब चुनाव आते हैं तो वे क्या से क्या हो जाते हैं। उनके चेहरे से नम्रता यूं टपकने लगती है मानो चेहरे पर विनम्रता के शहद का छत्ता लटका हो। अचानक ही वे उन लोगों से गलबहियां करने लगते हैं जिन लोगों का कभी वे गला काटने को आतुर रहते थे। मुंह में बस राम रह जाता है, बगल की छुरी को वे कुछ समय के लिए त्याग देते हैं। आश्चर्यजनक रूप से दिन के चौबीसों घंटे उपलब्ध रहने लगते हैं। जिन्हें देखने के लिए जनता की आंखें तरस जाया करती थीं, उसके सामने वे साक्षात पैदल चलकर आने लगते हैं। वे अब जमीन यानी यथार्थ पर आ गए हैं। जिन कच्ची बस्तियों की वे तस्वीर तक देखना पसंद नहीं करते थे, अब उन बस्तियों में रोज नमूदार होते हैं। वे जानते हैं कि ये 'स्लम' वाले ही उन्हें 'मिलेनियर' बनाएंगे, सो वे उन फटेहाल लोगों के कपड़ों पर जमा मैल को अपने कलफ लगे सफेद खादी के कुर्ते पर लगने का बुरा नहीं मानते। कच्ची बस्ती की जिन महिलाओं के गदराए बदन को वे पहले 'और' निगाह से देखते थे, अब उन महिलाओं में उन्हें बहू-बेटियां नजर आने लगती हैं।

कच्ची बस्ती उन्हें वोटों का स्वर्ग लगने लगती है। जब चुनाव आते हैं तो उनके दोनों हाथ कुछ समय के लिए जुड़ जाते हैं। वे सबको नमस्कार करते हैं। छोटे-बड़े का भेद नहीं करते। अठारह साल से ऊपर हर उम्र के तबके के लोगों को वे प्रणाम-प्रणाम कहते-करते हैं। जिन बुजुर्गों के हाथ जोड़ने में उनकी प्रतिष्ठा को आंच आती थी, ऐसे बुढ़ा गए लोगों के वे चरण-स्पर्श करने लगते हैं। उनके साथ अकस्मात ही पिता-पुत्र का रिश्ता बना लेते हैं। बाप की उम्र के लोगों से कहने लगते हैं कि चुनाव हैं, आपको अपने बेटे का ध्यान तो रखना ही है। बेटे की उम्र वालों से पिता के रिश्ते की दुहाई देने लगते हैं। हर वोटर उनके लिए प्रणम्य हो जाता है।

जब चुनाव आते हैं तो वे बिल्कुल हें-हें नुमा शक्ल अख्तियार कर लेते हैं। मुस्कराहट को अपने चेहरे पर चिपका लेते हैं। कोई उन्हें उनके सामने ही गाली दे दे तो वे मुस्कराते हुए उस गाली को आशीर्वचन समझकर इग्नोर कर देते हैं। इस गाली को वे वोटर का अधिकार बताते हैं और कहते हैं कि जनता का यह हक बनता है, वह उन्हें कुछ भी कह सकती है। शिकायतों का पुलिंदा लिए जो जनता उन्हें कभी राक्षस नजर आती थी, उसमें वे भगवान खोजने लगते हैं। जनता को भगवान की संज्ञा देने-दिलाने लगते हैं। इन दिनों किसी अभिनेता की आत्मा उनके शरीर में प्रविष्ट हो जाती है। वे नेता कम अभिनेता ज्यादा नजर आने लगते हैं। बहुरूपिए बन नाना स्वांग रचने लगते हैं। गली-गली, द्वारे-द्वारे भटकते हैं। वोटों की भीख मांगते-मांगते वे दीनहीन जनता के सामने स्वयं को भी इतना दीनहीन बना लेते हैं कि उनसे समानता की बात कर सकें। वे करें भी क्या! चुनाव जो आ गए हैं। वे जो कुछ भी हैं, इसी बूते तो हैं।

नॉलेज कॉर्नर: ऑस्ट्रेलियाई नागरिक को मिट्टी के नीचे मिली नायाब वस्तु

धरती के लिए खजाना है अंतरिक्ष से आया पत्थर

अंतरिक्ष अभी भी इंसानों के लिए अबूझ है। स्पेस में ऐसी-ऐसी चीजें मौजूद हैं जिनके बारे में इंसान सही से जानता भी नहीं है। ऐसा ही कुछ मिला है अंतरिक्ष से धरती पर आए एक पत्थर में। दरअसल, साल 2015 में ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में रहने वाले डेविड होल एक दिन अपना मेटल डिटेक्टर लेकर वहां के मैरीबोरो रिजनल पार्क में प्राचीन वस्तुओं और खनिजों की खोज कर रहे थे। तभी उन्हें मिट्टी के नीचे दबा एक लाल रंग का पत्थर दिखा। इस पत्थर के भीतर पीले रंग के तत्व मौजूद थे, जिन्हें डेविड ने सोना समझा और इसे उठा कर घर लाए। लेकिन कुछ ही समय बाद उन्हें पता चल गया कि वो सोना नहीं बल्कि कुछ और है। इस अनोखे पत्थर से जुड़ी पूरी कहानी जानते हैं आज के नॉलेज कॉर्नर में...

पत्थर की कहानी

डेविड होल जब इस पत्थर को घर लेकर आएं तो उन्होंने इसे काटने की बहुत कोशिश की। लेकिन वो हर बार नाकाम रहे। ये पत्थर इतना मजबूत था कि उस पर डेविड एक छोटा सा कट भी नहीं बना सकें। यहां तक कि उन्होंने इस पत्थर को जलाया उस पर तेजाब डाला लेकिन कुछ नहीं हुआ। कई वर्षों तक जब डेविज इस पत्थर को समझने और तोड़ने में नाकाम रहें तो उन्होंने फिर इस पत्थर को मेलबर्न म्यूजियम को दे दिया।

जांच में क्या

जब डेविड होल इसे मेलबर्न म्यूजियम ले गए तो वहां इसकी जांच हुई। जांच में जो बात पता लगी उसे सुन कर सभी हैरान हो गए। दरअसल, ये कोई सामान्य पत्थर नहीं था, बल्कि अंतरिक्ष से आया एक उल्कापिंड था। सबसे बड़ी बात की इस उल्कापिंड की उम्र करीब 460 साल थी। यानी ये 460 साल पुराना था। यहां तक तो फिर भी ठीक था, लेकिन जो बात आगे पता चली उसने दुनियाभर के वैज्ञानिकों के होश उड़ा दिए।

इसलिए है खास महत्व

इस 460 साल पुराने पत्थर को जब वैज्ञानिकों ने हीरे की आरी से काटा तब पता चला कि इसके भीतर ऐसी धातुएं मौजूद हैं। इसके साथ ही इस पत्थर में कई क्रिस्टल भी थे जो चमक रहे थे। इन्हें कॉन्डरूल्स कहते हैं। कहा जाता है कि उल्कापिंड अंतरिक्ष की सटीक जानकारी देते हैं और इनमें तारों के चमकते हुए कण होते हैं। कंटेंट: कुलदीप सिंह जादौन

X

राहुल गांधी, कांग्रेस नेता
@RahulGandhi
तेलंगाना के युवा 'दोराला' केसीआर सरकार के तहत बेहद पीड़ित हैं, हाल ही में अशोक नगर, हैदराबाद की मेरी यात्रा ने इसे स्पष्ट कर दिया है।

जगदीश वासुदेव, योग गुरु
@SadhguruJV
युवा बने रहने का मतलब है कि आप कभी भी एक बंद जीवन नहीं हैं - आप एक खुले अंत वाला जीवन हैं। आप हर समय विकास करने, सीखने और जीवन के प्रति खुले रहने के इच्छुक हैं।

गौर गोपाल दास, आध्यात्मिक गुरु
@gaurgopald
हमारे पास जो नहीं है उसके बारे में शिकायत करने के बजाय, आइए यह देखना शुरू करें कि हमारे पास क्या है। हम जो नहीं कर सकते उससे निराश होने के बजाय, आइए हम जो कर सकते हैं उसके बारे में उत्साहित होना शुरू करें।

अरुण गोविल, अभिनेता
@arungovil12
हानि हुई है तो लाभ भी होगा, छल हुआ है तो उसका हिसाब भी होगा।

तेलंगाना के महबूबाबाद और करीमनगर में प्रधानमंत्री का रोड शो, सूबे की सरकार पर साधा निशाना

BJP से गठबंधन करना चाहते थे KCR, हमने ये होने नहीं दिया: मोदी

एजेंसी | हैदराबाद

तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए चुनाव प्रचार अपने आखिरी दौर में पहुंच गया है। ऐसे में सभी राजनीतिक दल प्रचार में अपनी पूरी ताकत झोंक रहे रहे हैं। इसी के चलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी तेलंगाना दौरे पर हैं। उन्होंने राज्य में बीजेपी की सरकार बनाने के लिए मोर्चा संभाल लिया है। इसी को लेकर पीएम ने महबूबाबाद में एक चुनावी सभा की।

इस दौरान जनता को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने सूबे की केसीआर सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव बीजेपी से गठबंधन करना चाहते थे, लेकिन हमने ये होने नहीं दिया। पीएम मोदी ने तेलंगाना के महबूबाबाद में चुनावी रैली करते हुए कहा, केसीआर को बीजेपी की बढ़ती हुई ताकत का एहसास बहुत पहले हो गया था।

लबें समय से केसीआर इस कोशिश में थे कि किसी तरह बीजेपी से दोस्ती कर लें। जब वो एक बार दिल्ली आए थे तो मुझसे मिलकर भी केसीआर ने ये ही रिक्वेस्ट की थी, लेकिन हमने ये नहीं होने दिया।

वहीं पीएम मोदी ने दावा किया कि तेलंगाना के लोग केसीआर सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए कमर कस चुके हैं। कुछ लोग तेलंगाना में कांग्रेस को लेकर भ्रम भी फैला रहे हैं, लेकिन सच्चाई यही है कि तेलंगाना को बर्बाद करने में कांग्रेस और केसीआर बराबर के पापी है।

कोटि दीपोत्सवम में पहुंचे

प्रधानमंत्री हैदराबाद में एनटीआर स्टेडियम में कोटि दीपोत्सवम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा, आज कार्तिक पूर्णिमा और कार्तिक सोमवार भी है। इस पावन अवसर पर आपके बीच आना और कोटि दीपोत्सव का हिस्सा बनना बहुत ही सौभाग्य की घड़ी है। तेलगु लोग के बीच आना हमेशा सुखद होता है। विकसित भारत का संकल्प, तेज विकास और विरासत, दोनों से ही सशक्त होगा। हमें इन साधना के कामों को पूरी तरह बड़ी लगन से और बड़ी श्रद्धापूर्वक करते रहना होगा।

सत्ता में आने पर पेट्रोल-डीजल होगा सस्ता

कामरेड्डी। तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने पूरी ताकत झोंक दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा बीजेपी के कई धुरंधर नेता चुनाव प्रचार में जुटे हैं। तीन दिन बाद होने वाले चुनाव के लिए बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोमवार को तेलंगाना में जनसभा की। नड्डा ने अपनी जनसभा के दौरान भारत राष्ट्र समिति और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस और बीआरएस पार्टी दोनों ही भ्रष्टाचार में डूबी हुई पार्टियां हैं। दोनों ही पार्टियां परिवारवाद और वंशवाद को बढ़ाने वाली पार्टियां हैं। दोनों ही पार्टियों में मैं, मेरा बेटा, मेरा दामाद, मेरी बेटी, पोता, परपोता... यानी मेरे ही परिवार का आना चाहिए, बाकी सबलोग ताली बजाते रहें। बीआरएस तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है। बीजेपी अध्यक्ष ने तेलंगाना में सरकार बनने पर पेट्रोल-डीजल सस्ता करने का भी ऐलान किया है। नड्डा ने कहा कि अगर राज्य में बीजेपी की सरकार बनती है तो, पेट्रोल और डीजल से वैट घटाएंगे।

पिछड़ा वर्ग से होगा होगा मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने करीमनगर में एक चुनावी जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने दावा किया है कि तेलंगाना में पहली बार बीजेपी की सरकार बनने जा रही है। पीएम मोदी ने कहा कि हमारी पार्टी ने वादा किया है कि तेलंगाना का पहला मुख्यमंत्री पिछड़ा वर्ग से होगा। हम अब तेलंगाना को उसके भाग्य पर नहीं छोड़ सकते। अब हमें अपने सपनों का तेलंगाना बनाना है। इसके लिए सिर्फ बीजेपी की जरूरत है।

पटनायक के निकट सहयोगी पांडियन बीजद में शामिल

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के निकट सहयोगी एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी वी कार्तिकेयन पांडियन सोमवार को औपचारिक रूप से सत्तारूढ़ बीजू जनता दल में शामिल हो गए। पांडियन मुख्यमंत्री के आवास 'नवीन निवास' में बीजद दल में शामिल हुए। वह मुख्यमंत्री, राज्य के अन्य मंत्रियों, विधायकों और वरिष्ठ बीजद नेताओं की मौजूदगी में पार्टी में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने एक वीडियो संदेश में कहा, ''मैं पांडियन का बीजद में स्वागत करता हूं। वह पार्टी और ओडिशा के लोगों के लिए पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ काम करेंगे।

अमित शाह पर टिप्पणी मामले में राहुल तलब

सुल्तानपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में विचारण के लिए कोर्ट ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को तलब किया है। एमपी-एमएलए की विशेष कोर्ट के मजिस्ट्रेट योगेश कुमार यादव ने यह आदेश देते हुए 16 दिसंबर को अगली सुनवाई तय की है। भाजपा नेता विजय मिश्रा ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए सांसद राहुल गांधी के खिलाफ मानहानिक का मुकदमा दायर किया था। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने यह टिप्पणी की थी।

विधानसभा चुनाव: विरोधियों पर प्रियंका गांधी के तीखे वार

तेलंगाना में भ्रष्टाचार, सत्ता में बने रहना भाजपा-BRS का मकसद

■ कांग्रेस महासचिव ने की कांग्रेस को जिताने की अपील

एजेंसी | भोंगिर (तेलंगाना)

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने तेलंगाना के भोंगिर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए केसीआर सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि आज तेलंगाना में हर तरफ भ्रष्टाचार फैला हुआ है। कोई भी प्रोजेक्ट पूरा नहीं हुआ, लेकिन उसमें से कमीशन बहुत लोगों ने खाया है।

प्रियंका गांधी ने बीआरएस और बीजेपी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बीजेपी और बीआरएस का मकसद सत्ता में बने रहना और अपनी संपत्ति बढ़ाना है। आपको उन्हें दिखाना होगा कि तेलंगाना के लोग पैसे के लिए आत्मसमर्पण नहीं करेंगे और वे अपने अधिकारों के लिए लड़ेंगे जैसा वे करते हैं। प्रियंका ने आगे कहा कि आज तेलंगाना की जनता इंदिरा और सोनिया अम्मा को प्रेम करती है क्योंकि उन्होंने आपके लिए काम किया। संकट में आपकी आवाज सुनी। सरकार दो तरह से चलती है, एक सरकार जनता के लिए चलती है। जबकि दूसरी सरकार सिर्फ अपने फायदे, अपने नेताओं के महलों को बनाने, भ्रष्टाचार करने और सत्ता में रहने के लिए चलती है।

प्रियंका गांधी ने दावा किया कि बीआरएस, बीजेपी और एमआईएम एक साथ हैं। कांग्रेस पार्टी की छह गारंटियों के बारे में बताते हुए उन्होंने लोगों से यह तय करने का आग्रह किया कि क्या वे अगले पांच साल का बीआरएस कुशासन चाहते हैं या कांग्रेस पार्टी का जनता का शासन चाहते हैं।

गरीब होते जा रहे हैं लोग

उन्होंने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि तेलंगाना में हर तरफ भ्रष्टाचार फैला हुआ है। कोई भी प्रोजेक्ट पूरा नहीं हुआ, लेकिन उसमें से कमीशन बहुत लोगों ने खाया है। तेलंगाना के गरीब और गरीब होते जा रहे हैं और बीआरएस पार्टी और अमीर होती जा रही है। चुनाव आते ही BRS पोल मैनेजमेंट का काम शुरु कर देती है, लेकिन आपको इन्हें बताना होगा कि तेलंगाना की जनता अब अपने अधिकारों के लिए लड़ेगी। उन्होंने लोगों से आगाह किया कि अगर बीआरएस सत्ता में वापस आती है, तो भूमि और शराब माफिया का शासन जारी रहेगा, बेरोजगारों को नौकरियां नहीं मिलेंगी, पेपर लीक जारी रहेगा, भ्रष्टाचार बढ़ेगा, राज्य कर्ज में डूब जाएगा और बीआरएस उनकी जमीनें छीनना जारी रखेगा।

कांग्रेस ने केटीआर के दावे की आलोचना की

नई दिल्ली। तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए अब कुछ ही दिन बचे हैं, ऐसे में कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोमवार को तेलंगाना के मंत्री के.टी. रामा राव के इस दावे की आलोचना की कि राज्य की प्रति व्यक्ति आय देश में सबसे अधिक है। एक्स पर एक पोस्ट में, रमेश, जो कांग्रेस महासचिव (संचार) भी हैं, ने कहा- "केटीआर लगातार कहते रहे हैं कि तेलंगाना में देश में प्रति व्यक्ति आय सबसे अधिक है। तथ्य क्या हैं? उन्होंने कहा कि इसके अनुसार आरबीआई के अनुसार, स्थिर कीमतों पर जो कि मायने रखता है, कर्नाटक और हरियाणा में तेलंगाना की तुलना में प्रति व्यक्ति आय अधिक है, जबकि तमिलनाडु बहुत बड़े जनसंख्या आधार के साथ समान स्तर पर है। उन्होंने यह भी कहा कि तेलंगाना में उच्च प्रति व्यक्ति आय केवल तीन जिलों हैदराबाद, रंगारेड्डी और संगारेड्डी के कारण है। तेलंगाना की 75 प्रतिशत से अधिक आबादी अन्य 30 जिलों में रहती है, जहां प्रति व्यक्ति आय है राज्य के औसत से कम है। राज्यसभा सांसद ने आगे कहा कि यह तेलंगाना के गठन के मुख्य कारणों में से एक, राज्य के संतुलित विकास के साथ विश्वासघात के अलावा और कुछ नहीं है।

सत्तादल के खिलाफ 'गुस्से' का माहौल

बीआरएस पार्टी को अब वीआरएस देने का समय आ गया: शाह

एजेंसी | हैदराबाद

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को दावा किया कि तेलंगाना में सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के खिलाफ ''गुस्से'' का माहौल है और लोग नहीं चाहते कि के.चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली सरकार सत्ता में वापस आए।

हुजूराबाद में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि बीआरएस सरकार के खिलाफ गुस्से का माहौल है। यहां कोई नहीं चाहता कि केसीआर सरकार सत्ता में वापस आए। 'परिवारवाद' शासन को लेकर बीआरएस और कांग्रेस पर हमला करते हुए शाह ने कहा कि अगर लोग भाजपा को चुनते हैं, तो मुख्यमंत्री पिछड़ा वर्ग से बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर जनता बीआरएस या कांग्रेस को वोट देती है तो, मुख्यमंत्री एक विशेष परिवार से होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तेलंगाना में पिछड़ा वर्ग से मुख्यमंत्री बनाने का फैसला किया है।

शाह ने कहा, इसलिए, बीआरएस को वीआरएस देने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव में जीते कांग्रेस विधायक बीआरएस में शामिल हो गए। उन्होंने आरोप लगाया, कांग्रेस के लिए वोट का मतलब बीआरएस और भ्रष्टाचार के लिए वोट है।

शाह ने कहा कि कांग्रेस, बीआरएस और असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली एआईएमआईएम वंशवादी पार्टियां हैं और आरोप लगाया कि ये तीनों पार्टियां भ्रष्टाचार में विश्वास करती हैं।

सत्ता में आने पर रायथु बंधु योजना के तहत देंगे वित्तीय सहायता: KCR

एजेंसी | शादनगर (तेलंगाना)

निर्वाचन आयोग द्वारा रायथु बंधु योजना के तहत किसानों को वित्तीय सहायता देने की अनुमति वापस लेने के लिए कांग्रेस पार्टी को दोषी ठहराते हुए तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने सोमवार को कहा कि तीन दिसंबर के बाद बीआरएस के सत्ता में लौटने पर किस्त जमा की जाएगी। केसीआर के एक मंत्री ने इसके बारे में सार्वजनिक घोषणा करके आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों का उल्लंघन किया था। निर्वाचन आयोग ने रायथु बंधु योजना के तहत रबी फसलों के लिए किसानों को दी जाने वाली वित्तीय सहायता की किस्त बांटने के लिए तेलंगाना सरकार को दी गई अनुमति वापस ले ली। आयोग ने राज्य के वित्त मंत्री टी। हरीश राव द्वारा इसे लेकर सार्वजनिक घोषणा करने के बाद यह फैसला लिया क्योंकि यह आचार संहिता का उल्लंघन है। कांग्रेस ने रविवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त से अनुरोध किया था कि वे बीआरएस पर प्रतिबंध लगाएं कि अपने चुनाव अभियान में वह रायथु बंधु राशि के वितरण का उल्लेख न करे। बीआरएस के चुनावी घोषणापत्र में वादा किया गया है कि अगर पार्टी 30 नवंबर के विधानसभा चुनावों के बाद फिर से सत्ता में आती है तो कार्यक्रम के तहत राशि को धीरे-धीरे बढ़ाकर 16,000 रुपए कर दिया जाएगा।

तेलंगाना चुनाव में तैनात होंगे 2.5 लाख कर्मचारी

हैदराबाद। तेलंगाना विधानसभा चुनाव को लेकर 30 नवंबर को होने वाले मतदान के लिए 2.5 लाख से ज्यादा कर्मचारी चुनाव ड्यूटी पर तैनात रहेंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी विकास राज ने यह जानकारी दी। राज ने कहा कि जारी किए गए 1,68,612 डाक मतपत्रों में से 26 नवंबर तक 96,526 पर मतदान हो चुका है। उन्होंने कहा, इस व्यवस्था में निश्चित रूप से 2.5 लाख से कम लोग नहीं रहेंगे।

मंदिर से तेलंगाना को साधने की रणनीति

तेलंगाना। तेलंगाना विधानसभा चुनाव से पहले पीएम मोदी ने सोमवार को तिरुमला में भगवान वेंकेटश्वर की विशेष पूजा में शामिल हुए। माना जा रहा है कि ये पीएम मोदी के तिरुपति बालाजी दरबार से तेलंगाना को साधने की रणनीति है। भगवान के दर्शन के बाद पीएम मोदी वैदिक विद्वानों का आशीर्वाद और प्रसाद लिया। बालाजी दरबार में हाजिरी लगाने के बाद पीएम तेलंगाना में बीजेपी के चुनावी अभियान को धार देने के लिए रवाना हो गए।

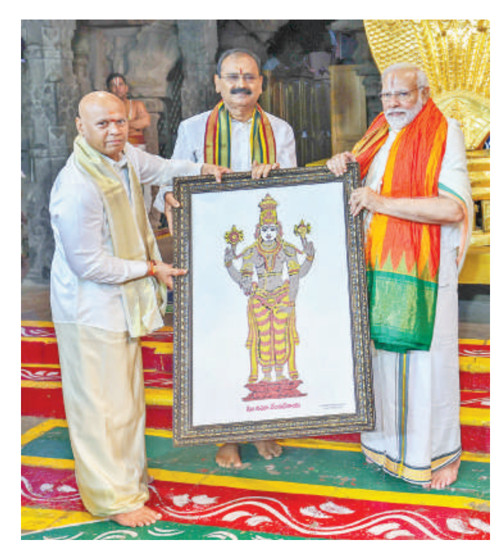

यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव भी रहे मौजूद

चेन्नई में स्टालिन ने पूर्व पीएम वीपी सिंह की प्रतिमा का किया अनावरण

एजेंसी | चेन्नई

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सोमवार को यहां पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह की एक प्रतिमा का अनावरण किया। स्टालिन ने इसे दिवंगत सामाजिक न्याय के संरक्षक का सम्मान करना सत्तारूढ़ द्रमुक का कर्तव्य बताया है। स्टालिन ने कहा, अगर उत्तर प्रदेश वी पी सिंह का मातृ-राज्य था, तो तमिलनाडु उनका पिता-राज्य था।

बता दें कि स्टालिन ने चेन्नई के प्रेसीडेंसी कॉलेज परिसर में स्थापित दिवंगत पीएम की आदमकद प्रतिमा का अनावरण कर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने समाजवादी पार्टी नेता और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के साथ सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर सिंह के परिवार के सदस्य भी उपस्थित थे। एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, सत्तारूढ़ द्रमुक के अध्यक्ष स्टालिन ने कहा, वह कॉलेज परिसर में सामाजिक न्याय के संरक्षक की प्रतिमा स्थापित करना अपना कर्तव्य समझते हैं, ताकि सिंह के जीवन और उपलब्धियों को हर कोई सीख सके। उनका इतिहास छात्रों को बताया जाना चाहिए। इसलिए हमने कॉलेज में उनकी प्रतिमा लगाई है।

स्टालिन और अखिलेश की मुलाकात के मायने

अखिलेश यादव सोमवार को चेन्नई पहुंचे जहां पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह के आदमकद प्रतिमा के अनावरण के वह मुख्य अतिथि थे और उन्हें बतौर मुख्य अतिथि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने आमंत्रित किया था। यूं तो देखने में यह एक प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा दूसरे प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सबसे बड़े विपक्ष के नेता का सम्मान दिखाई देता है, लेकिन यह मुलाकात काफी कुछ सियासत अपने भीतर समेटे हुए है। एमके स्टालिन ने अखिलेश यादव को तो बुलाया लेकिन इन दिनों जोर-शोर से आरक्षण की पैरवी भी कर रही कांग्रेस पार्टी को इस कार्यक्रम से दूर रखा जो की तमिलनाडु में उनके सहयोगी पार्टी है। दरअसल कांग्रेस को लेकर जो तल्खी समाजवादी पार्टी के भीतर दिखाई दे रही है वैसी कटुता तमिलनाडु में भी कांग्रेस और डीएमके के बीच भी पनप रही है, और वीपी सिंह के नाम पर कांग्रेस विरोध का यह गठबंधन आज चेन्नई में दिखाई दिया, तो क्या इंडिया एलायंस के भीतर क्या कोई एंटी कांग्रेस ग्रुप भी बनकर तैयार हो रहा है या फिर एंटी कांग्रेस-एंटी बीजेपी फ्रंट को एक साथ लाने की यह एक अलग शुरुआत है?

लोकसभा चुनाव से पहले देश को मिला संदेश

अजय सिंह ने सीएम को उनके इस कदम के लिए धन्यवाद दिया। वहीं, अखिलेश यादव ने कहा कि प्रतिमा के अनावरण से 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले पूरे देश में एक स्पष्ट संदेश गया है। बता दें कि स्टालिन ने अप्रैल में घोषणा की थी कि तमिलनाडु सरकार सिंह के लिए एक मूर्ति स्थापित करेगी। सीएम ने ओबीसी, एससी/एसटी और अल्पसंख्यकों के लिए कोटा नीति के उचित कार्यान्वयन की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

स्टालिन ने की केंद्र सरकार की निंदा

सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के इच्छुक सभी राजनीतिक दलों को एकजुट होना चाहिए और लोगों की भलाई के लिए प्रयास करना चाहिए। केंद्र सरकार की निंदा करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि उच्च जाति के लोग केंद्र सरकार के कार्यालयों में पदों पर काबिज हैं और ओबीसी, एससी/एसटी और का प्रतिनिधित्व जारी है। स्टालिन ने कहा कि जब सिंह को मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू करने के उनके फैसले का विरोध मिल रहा था, तो करुणानिधि ने उस दिन चेन्नई में एक कार्यक्रम में दिवंगत नेता का जोरदार समर्थन करते हुए एक कविता पढ़ी थी।

देव दिवाली पर 12 लाख दीपों से रोशन हुई काशी, गुरु परब पर जगमगाया स्वर्ण मंदिर

वाराणसी। कार्तिक पूर्णिमा पर बनारस में देव दिवाली का भव्य आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार ने 12 लाख दीपों से घाटों को रोशन किया। इनमें एक लाख दीप गाय के गोबर से बनाए गए थे। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ नमो घाट पर देव दिवाली पर पहला दीपक जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस बार देव दिवाली देखने के लिए 70 देशों के राजदूत और 150 विदेशी डेलीगेट्स बनारस पहुंचे थे। बता दें कि काशी के घाटों की इस अद्भुत दृश्य को देखने देश-विदेश से पर्यटक काशी आते हैं। काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण के बाद पर्यटकों की रिकॉर्ड आमद हुई है। वहीं गुरु परब पर देशभर में गुरु नानक जयंती मनाई गई। इस अवसर पर अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल रोशनी से जगमग नजर आया।

जरूरी खबर

राउरकेला-पुरी वंदे भारत ट्रेन पर किया पथराव

भुवनेश्वर। ओडिशा में राउरकेला-पुरी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर पथराव किया गया, जिसमें किसी के भी हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। पूर्वी तट रेलवे ने सोमवार को एक बयान में बताया कि वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर रविवार रात ढेंकनाल-अंगुल रेल खंड में मेरामंडली और बुधपंक स्टेशनों के बीच पथराव हुआ। कुछ पत्थरबाजों ने ट्रेन संख्या 20835 वंदे भारत एक्सप्रेस को भुवनेश्वर-संबलपुर रेल लाइन के ढेंकनाल-अंगुल रेल खंड में मेरामंडली और बुधपंक के बीच निशाना बनाया। एक रेलवे अधिकारी ने बताया कि इस घटना में एक्जीक्यूटिव श्रेणी के डिब्बे की एक खिड़की क्षतिग्रस्त हो गई।

कैंसर के मरीजों को 3 हजार रुपए प्रति माह पेंशन

चंडीगढ़। देश के ज्यादातर राज्यों में आम जनता के लिए कई तरह की योजनाएं चलाई जा रही है जिसमें उन्हें राशन देने से लेकर मुफ्त इलाज और प्रति महीना पैसे भी दिए जाते हैं। इस बीच हरियाणा में सरकार की ओर से अब कैंसर मरीजों को 3000 हजार रुपए प्रति माह पेंशन दी जाएगी। हरियाणा के सीएम मनोहर लाल की ओर से की गई घोषणा को हरियाणा कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। हरियाणा सरकार ने कैंसर रोग की 'थर्ड एवं फोर्थ स्टेज' के मरीजों को वित्तीय सहायता देने के लिए एक अहम निर्णय लिया है। इसके तहत पात्र रोगियों को वृद्धावस्था सम्मान भत्ता योजना की तर्ज पर मासिक भत्ता दिया जाएगा।

महाराष्ट्र में फर्जी IPS अधिकारी को किया गिरफ्तार

मुंबई। खुद को भारतीय पुलिस सेवा का अधिकारी बताते हुए एक राष्ट्रीयकृत बैंक के कर्मी और उसके मित्र को मनपसंद जगह पर नियुक्ति दिलाने का वादा कर उनसे 35.25 लाख रुपए की रकम ऐंठने के आरोप में मुंबई पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। अपराध शाखा के संपत्ति प्रकोष्ठ ने आरोपियों गणेश शिवाजी चव्हाण (33) और मनोज कुपिंदर पवार (43) को क्रमशः चेंबूर उपनगर और नवी मुंबई में वाशी से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता एक मित्र के जरिए आरोपियों से मिला था। दोनों आरोपियों ने खुद को आईपीएस अधिकारी बताया था और दावा किया था कि केंद्र सरकार के विभागों में उनकी पहुंच है।

सिलक्यारा टनल में फंसे मजदूरों को निकालने की कवायद जारी

सुरंग में 31 मी. तक हुई ड्रिलिंग अभी चार दिन का इंतजार और

एजेंसी | उत्तरकाशी

निर्माणाधीन सिलक्यारा-बड़कोट सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को बाहर निकालने के लिए सुरंग के ऊपर से की जा रही लंबवत ड्रिलिंग 31 मीटर तक पहुंच चुकी है। क्षैतिज ड्रिलिंग कर रही ऑगर मशीन के टूटने के बाद वैकल्पिक रास्ता तैयार करने के लिए रविवार को सुरंग के ऊपर से लंबवत ड्रिलिंग शुरू की गई थी।

सीमा सड़क संगठन के पूर्व महानिदेशक हरपाल सिंह ने सोमवार को बताया कि अब तक 31 मीटर लंबवत ड्रिलिंग की जा चुकी है। इसके तहत 1.2 मीटर व्यास के पाइपों को लंबवत तरीके से सुरंग के शीर्ष से नीचे की ओर डाला जाएगा। वहीं सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रमुख सचिव डॉ. पीके मिश्र ने सोमवार को सिलक्यारा पहुंचकर पिछले दो सप्ताह से फंसे श्रमिकों को बाहर निकालने के लिए चलाए जा रहे बचाव कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने ग्राफिक प्रस्तुतिकरण एवं मैपिंग के माध्यम से साढ़े चार किलोमीटर लंबी निर्माणाधीन सुरंग की भौगोलिक स्थिति को समझा। प्रमोद कुमार मिश्र ने सुरंग के अंदर चल रहे बचाव कार्य की बारीकियों को समझा। इस मौके पर उन्होंने मलबे में फंसी ऑगर मशीन के ब्लेड एवं शैफ्ट को काटने वाले श्रमिकों- टिंकू दुबे, अमित, शशिकांत, झारू राम, राधे रमण दुबे, ओम प्रकाश, एनडी अहमद से बात कर उनकी सराहना की।

ऑगर मशीन के शेष हिस्से मलबे से निकाले

सिलक्यारा सुरंग में ड्रिलिंग के दौरान मलबे में फंसे अमेरिकी ऑगर मशीन के शेष हिस्से भी सोमवार तड़के बाहर निकाल लिए गए। अधिकारियों ने बताया कि फंसे श्रमिकों को बाहर निकालने के लिए अब हाथ से क्षैतिज खुदाई जल्द शुरू की जाएगी। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने सोमवार को यह जानकारी दी। ऑगर मशीन के खराब हो जाने के बाद अब हाथ से खुदाई की जाएगी। ऑगर मशीन से 46.8 मीटर तक क्षैतिज खुदाई की जा चुकी थी, लेकिन उसके बाद इस मशीन के टूट जाने के कारण उससे और खुदाई नहीं की जा सकी।

श्रमिकों के परिजनों से मुलाकात

प्रमुख सचिव डॉ. पीके मिश्र ने सुरंग में फंसे श्रमिकों के परिजनों से भी मुलाकात करके उनका हौसला बढ़ाया और कहा कि पूरा देश श्रमिकों की शीघ्र और सुरक्षित निकासी के लिए दुआ कर रहा है। उन्होंने कहा कि परिजनों को हौसला बनाए रखना होगा और सरकार उनके साथ खड़ी है। यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर बन रही सिलक्यारा सुरंग का एक हिस्सा 12 नवंबर को ढह गया था जिसके कारण उसमें काम कर रहे 41 श्रमिक फंस गए थे। उन्हें बाहर निकालने के लिए युद्ध स्तर पर बचाव अभियान चलाया जा रहा है।

राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण सम्मेलन

बुनियादी ढांचे में सुधार से बनेगी न्याय तक पहुंच: चंद्रचूड़

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि न्याय तक पहुंच केवल जन-समर्थक न्यायशास्त्र तैयार करके हासिल नहीं की जा सकती, बल्कि बुनियादी ढांचे में सुधार और कानूनी सहायता सेवाओं को बढ़ाने जैसे अदालत के प्रशासनिक पक्ष में भी सक्रिय प्रगति की आवश्यकता है।

राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण द्वारा यहां कानूनी सहायता तक पहुंच पर आयोजित पहले क्षेत्रीय सम्मेलन में न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि न्यायाधीशों के लिए चुनौती व्यक्तिगत मामले के तथ्यों में न्याय करना नहीं है, बल्कि प्रक्रियाओं को संस्थागत बनाने और चीजों को तात्कलिकता से परे देखने की भी है। उन्होंने कहा, न्याय तक पहुंच कोई ऐसा अधिकार नहीं है जिसे केवल हमारे फैसलों में जन-समर्थक न्यायशास्त्र तैयार करके हासिल किया जा सकता है, बल्कि इसके लिए अदालत के प्रशासनिक पक्ष में भी सक्रिय प्रगति की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, हमारे देश में कम प्रतिनिधित्व वाली आबादी की न्याय संबंधी जरूरतों को पूरा करना जरूरी है। वहीं उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश संजीव खन्ना ने कहा कि कानून के शासन, न्याय तक पहुंच और गुणवत्तापूर्ण प्रतिनिधित्व को बढ़ावा देने में सरकार की भूमिका महत्वपूर्ण है।

खन्ना ने कहा, विधिक सहायता को जरूरतमंदों की मदद से कहीं आगे समझने की जरूरत है। न्याय व्यवस्था को मजबूत करने में कानूनी सहायता की कार्यात्मक भूमिका है।

40-50 अज्ञात लोगों ने दिया वारदात को अंजाम

नक्सलियों ने निर्माण कार्य में लगे 14 वाहनों को लगाई आग

एजेंसी | दंतेवाड़ा

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले में सोमवार को संदिग्ध नक्सलियों ने निर्माण कार्यों में लगे कम से कम 14 वाहनों और मशीनों को आग लगा दी। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना भांसी पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत बंगाली कैंप नामक स्थान पर देर रात करीब 1:30 बजे हुई। उन्होंने बताया कि प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार लगभग 40-50 अज्ञात लोग, जो आम नागरिकों की वेशभूषा में थे तथा जिनमें से कुछ हथियारबंद थे, मौके पर पहुंचे और वहां खड़े ट्रकों, पोकलेन और जेसीबी मशीनों सहित 14 वाहनों और मशीनों को आग लगा दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक निजी निर्माण कंपनी के 13 वाहन और मशीनें दंतेवाड़ा और बचेली के बीच सड़क निर्माण में लगे हुए थे, वहीं एक पानी का टैंकर रेलवे के कार्य में लगा हुआ था। उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद भांसी के थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक पुलिस दल को घटनास्थल पर भेजा गया।

ट्रेन की चपेट में आने से शावक की मौत

चंद्रपुर। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में चंदाफोर्ट-गोंदिया रेल मार्ग पर सोमवार सुबह ट्रेन की चपेट में आकर बाघ के एक बच्चे की मौत हो गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। वन विभाग के अधिकारी ने बताया कि यह घटना नागभीड तहसील के किताडी-मिंडाला गांव के पास हुई। घटना के बाद अन्य अधिकारियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे मुख्य वन संरक्षक डॉ. जितेंद्र रामगांवकर ने बताया, मादा शावक तीन से चार महीने की थी। जरूरी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद उसे दफना दिया गया।

श्रीमद राजचंद्रजी की जयंती में धनखड़ ने की शिरकत

महात्मा गांधी थे महापुरुष, PM मोदी हैं युगपुरुष: उपराष्ट्रपति

एजेंसी | मुंबई

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को महात्मा गांधी को पिछली सदी का महापुरुष बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस सदी का युगपुरुष करार दिया। जैन विचारक और दार्शनिक श्रीमद राजचंद्रजी की जयंती समारोह में घनखड़ ने कहा, महात्मा गांधी ने सत्याग्रह और अहिंसा के माध्यम से हमें अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त कराया। भारत के सफल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमें उस रास्ते पर ले गए, जहां हम हमेशा जाना चाहते थे। मैं आपलोगों को एक बात बताना चाहता हूं।

महात्मा गांधी पिछली सदी के महापुरुष थे। नरेंद्र मोदी इस सदी के युगपुरुष हैं। धनखड़ ने कहा कि दो महान हस्तियों- राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पीएम मोदी में एक बात समान है। उन्होंने श्रीमद राजचंद्रजी को प्रतिबिंबित किया है। उन्होंने कहा, इस राष्ट्र के विकास का विरोध करने वाली ताकतें और इस देश के उत्थान को पचा न पाने वाली ताकतें एक साथ आ रही हैं।

जब भी देश में कुछ अच्छा होता है तो ये लोग एक अलग मुद्रा में आ जाते हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए। धनखड़ ने कहा कि खतरा बहुत बड़ा है।

राष्ट्रपति ने सागरमाला कार्यक्रम को बताया सराहनीय कदम

बंदरगाहों के बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने की जरूरत: मुर्मू

एजेंसी | पारादीप (ओडिशा)

ओडिशा के दो दिवसीय दौरे पर आईं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अपने दौरे के आखिरी दिन सोमवार को जगतसिंहपुर जिले के पारादीप बंदरगाह की तरफ से आयोजित बोइत बंदाण उत्सव में भाग लेते हुए कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि देश में बंदरगाहों के बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने तथा उनकी दक्षता बढ़ाने की जरूरत है।

'बोइता बंदना' ओडिशा में मनाया जाने वाला एक वार्षिक उत्सव है, जो राज्य की प्राचीन समुद्री गौरव गाथा की याद दिलाता है, जिसे पहले 'कलिंग' के नाम से जाना जाता था। मुर्मू ने कहा कि सरकार का सागरमाला कार्यक्रम बंदरगाह गतिविधियों को मजबूत करने के लिए एक सराहनीय कदम है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार 'समृद्धि के लिए बंदरगाह' और 'प्रगति के लिए बंदरगाह' के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए काम कर रही है। राष्ट्रपति ने कहा कि समुद्री व्यापार देश के व्यापार और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा, ''मुझे बताया गया है कि भारत के कुल व्यापार का मात्रा के हिसाब से 95 प्रतिशत और मूल्य के हिसाब से 65 प्रतिशत व्यापार समुद्री परिवहन के माध्यम से होता है।''

उन्होंने कहा कि भारत के बंदरगाहों को वैश्विक मानकों के अनुरूप अधिक दक्षता के साथ कार्य करने की आवश्यकता है। मुर्मू ने कहा, ''इसीलिए भारतीय बंदरगाहों के बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने और उनकी दक्षता बढ़ाने की आवश्यकता है।''

बालीयात्रा एक अनोखा उत्सव

राष्ट्रपति ने कहा कि ऐतिहासिक बालीयात्रा जावा, सुमात्रा और बाली द्वीपों के लिए व्यापारियों की एक प्रतीकात्मक नाव यात्रा है। बालीयात्रा ओडिशा के गौरवशाली अतीत की याद में मनाया जाने वाला एक अनोखा उत्सव है। राष्ट्रपती द्रौपदी मुर्मू ने कहा, "प्राचीन काल से मनाया जाने वाला यह उत्सव ओडिशा के समुद्री व्यापार की समृद्धि का प्रतीक है। यह ओडिशा के लोगों की समृद्ध सांस्कृतिक चेतना को भी उजागर करता है।" उन्होंने कहा कि समुद्र भारत के व्यापार, वाणिज्य और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को मजबूत करने का एक प्रमुख साधन रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि समुद्र पर आधारित साहित्य ने भी भारतीय संस्कृति को समृद्ध किया है।

विदेशों में भारतीय कला और संस्कृति की चमक

मुर्मू ने कहा कि ओडिशा और अन्य तटीय राज्यों में नौसैनिक वाणिज्य की एक लंबी और समृद्ध परंपरा है। राष्ट्रपति ने कहा कि व्यापार और वाणिज्य के अलावा, उन व्यापारियों ने विदेशों में भारतीय कला और संस्कृति को फैलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राष्ट्रपति ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि पारादीप बंदरगाह की कार्गो प्रबंधन क्षमता पिछले दशक में दोगुनी हो गई है। उन्होंने कहा कि यह पूर्वी तट पर सबसे बड़ा बंदरगाह बनने की ओर अग्रसर है और इसे 'ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया समिट-2023' में 'पोर्ट ऑफ ऑपरेशनल एक्सीलेंस अवार्ड' भी मिला है।

युवा पीढ़ी भी व्यापार के लिए आगे आए

युवा पीढ़ी को सलाह देते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे पूर्वज सात समुंद्र, 13 नदी को पार जाकर व्यापार करते थे। वर्तमान में धरती पर प्रयुक्ति विद्या ने व्यापक परिवर्तन लाया है। प्रयुक्ति विद्या के माध्यम से समुद्री यात्रा सहज एवं सुगम हो गई है। ऐसे में आज के युवा पीढ़ी अपनी योग्यता के अनुसार नौकरी करे मगर व्यापार के लिए भी आगे आए। व्यापार में लक्ष्मी बसती हैं। युवा पीढ़ी नौकरी करने के साथ नौकरी देने वाला भी बने।

श्रीदिगम्बर जैन मंदिर सांगा का बास में संभवनाथ के जन्म कल्याणक की धूम

असंभव हो संभव, आए सांगा का बास संभव के दर्शन से पूर्ण हो मन की आस

बेधड़क | जयपुर

जयपुर और आस-पास के भक्त बड़ी संख्या में आए और भगवान का जन्म कल्याणक भक्ति-भाव से मनाते हुए खुशियां बांटी। मौका था जयपुर जिले की डूंगरी कला पंचायत के गांव सांगाका बास अतिशय कारी संभवनाथ जैन मंदिर में सोमवार को मूल नायक जैन धर्म के तीसरे तीर्थंकर श्री संभवनाथ भगवान के जन्म कल्याणक का। इस अवसर पर श्रावकों ने भगवान का अभिषेक कर विश्व की शांति के लिए शांतिधारा की। शांति धारा करने का सौभाग्य केवल चंद, दुली चंद, राज कुमार, पदम जैन बिलाला व मास्टर आदित बिलाला जयपुर को मिला।

अष्ट द्रव्यों से पूजन

संभव नाथ भगवान का अष्ट द्रव्य से पूजन कर जयकारों के साथ जन्म कल्याण का अर्घ्य श्रीफल के साथ समर्पित किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में भक्त मौजूद रहे, जिन्होंने प्रोग्राम में हिस्सा लिया।

500 साल पुराना मंदिर है खास

मंदिर समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि छोटे से गांव सांगाके बास के अतिशय कारी सम्भव नाथ का मंदिर करीब 500 वर्ष पुराना बताया जाता है। कहावत है कि हर असम्भव हो सम्भव, आए सांगा का बास, सम्भव के दर्शन से पूर्ण हो सब के मन की आस।

यहां से आए श्रद्धालु

कार्यक्रम में जयपुर, जोबनेर, चोमू, कालाडेरा डूंगरी, किशनगढ़, रेनवाल, चारणवास आदि स्थानों से श्रद्धालु पधारे। संभव भक्त पुष्पा बिलाला, विमला बिलाला, माल चंद, ज्ञान चंद, हीरा लाल, मधु, आशा, रेखा रजनी बोहरा, वीरेंद्र बोहरा, ओमप्रकाश आदि मौजूद रहे। अभिषेक पूजा का कार्य पंडित विरेंद्र ने सानंद सम्पन्न कराया। कार्यक्रम भगवान संभव नाथ की मंगल आरती के साथ सम्पन्न हुआ और लोगों ने एक-दूसरे को बधाई दी।

रानी-काजोल खोलेंगी राज

बेधड़क. जयपुर। करण जौहर के फेमस शो 'कॉफी विद करण' में इस बार रानी मुखर्जी और काजल नजर अपनी लाइफ के सीक्रेट्स साझा करती नजर आएंगी। दोनों एक्ट्रेस करण जौहर की पहली फिल्म की हीरोइन हैं। 'कॉफी विद करण' का यह आठवां सीजन है और यह इस सीजन का छठा एपिसोड है जिसमें ये दोनों एक्ट्रेस साथ नजर आएंगी। रानी मुखर्जी-काजोल वाला यह एपिसोड डिजनी हॉटस्टार पर 30 नवंबर को दोपहर 12:00 बजे ऑन एयर होगा।

जयपुर में साहित्य मेला 7 जनवरी से

बेधड़क, जयपुर। जयपुर साहित्य संगीत जयपुर साहित्य मेला-2024 व जयपुर सम्मान अलंकरण समारोह 7 जनवरी को आयोजित किया जाएगा। एसएफएस सामुदायिक केंद्र मानसरोवर में होने वाले कार्यक्रम में देश भर से लोग हिस्सा लेंगे। इससे पहले 6 शाम 6:30 से 9 बजे तक परिचय व बौद्धिक सेमिनार का आयोजन किया जाएगा, जिसका विषय बढ़ते लेखक घटते पाठक होगा। दूसरे दिन सुबह 11 बजे से जयपुर सम्मान अलंकरण समारोह व लघु साक्षात्कार शुरू होगा। इस दौरान सत्र में विशेषज्ञ अपनी राय देंगे और कई विषयों पर बात की जाएगी।

पीएस हॉकी क्लब बना चैंपियन

बेधड़क. जयपुर। जयपुर जिला स्तरीय सॉफ्ट हॉकी चैंपियनशिप के समापन पर मुख्य अतिथि इंद्रजीत सिंह शेखावत व अध्यक्षता हरजिंदर सिंह बराड़ ने मोटिवेट किया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने उत्कर्ष प्रदर्शन देते हुए खेल प्रेमियों को प्रभावित किया। प्रतियोगिता में सब जूनियर अंडर 14 बालक वर्ग में स्वर्ण पदक पीएस हॉकी एकेडमी ने, रजत पदक द्रोणाचार्य एकेडमी और कांस्य पदक पैरामाउंट विद्याआश्रम ने जीता। जूनियर अंडर 17 बालक वर्ग में स्वर्ण पदक पीएस हॉकी एकेडमी ग्रीन, रजत पीएस हॉकी एकेडमी रेड को तथा कांस्य पैरामाउंट विद्या आश्रम को गया। वहीं, सीनियर बॉयज वर्ग में गोल्ड मेडल पीएस हॉकी एकेडमी रेड ने तथा रजत पीएस हॉकी एकेडमी ग्रीन ने प्राप्त किया। सीनियर बालिका वर्ग में गोल्ड मेडल पीएस हॉकी एकेडमी रेड ने और रजत पदक पीएस हॉकी एकेडमी ग्रीन ने प्राप्त किया। मेडल जीतकर प्लेयर्स काफी उत्साहित नजर आए। सभी विजेताओं को गेस्ट ने मेडल पहनाए और शुभकामनाएं दीं।

City इवेंट्स

डॉ. स्निग्धा ने जीता बेस्ट पेपर अवॉर्ड

बेधड़क, जयपुर। इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रो बायोलॉजिस्ट की 46वीं नेशनल कांफ्रेंस किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज लखनऊ में जयपुर की डॉ. स्निग्धा पुरोहित ने बेस्ट पेपर अवॉर्ड इन वायरोलॉजी-2023 जीता। डॉ. स्निग्धा ने एमडी की डिग्री एसएमएस मेडिकल कॉलेज से की है और वर्तमान में महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज जयपुर में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर हैं। उन्होंने रिसर्च भारत में लीवर ट्रांसप्लांट रोगियों में इप्सटीन बार वायरस डीएनए मिया की मॉनिटरिंग आवश्यक है पर आईएलबीएस अस्पताल दिल्ली में रहते हुए किया।

ध्रुवपद गायन कार्यशाला आज से

बेधड़क, जयपुर। जवाहर कला केन्द्र की ओर से कला संसार मधुरम के तहत आयोजित ध्रुवपद गायन प्रशिक्षण कार्यशाला की मंगलवार से शुरुआत होगी। 7 दिसंबर तक चलने वाली 10 दिवसीय कार्यशाला में शाम 4 से 6 बजे तक विशेषज्ञ प्रो. (डॉ.) मधु भट्ट तैलंग ध्रुवपद गायन का प्रशिक्षण देंगी। इसके लिए 30 से अधिक प्रतिभागियों ने आवेदन किया है। तैलंग विख्यात ध्रुवपदाचार्य पं. लक्ष्मण भट्ट तैलंग की शिष्या हैं।

'राजस्थानी मेरी मौसी, राणा प्रताप प्रेरणा'

बेधड़क, जयपुर। 'राजस्थान से मेरा खास लगाव है। अगर हरियाणवी मेरी मां है तो राजस्थानी मौसी की तरह है। राजस्थान के लोगों ने अपनी बोली को भुलाया नहीं है और दिल को छूने वाली सादगी को उन्होंने बरकार रखा है।' यह बात टोक्यो ओलंपिक में भाला फेंक में गोल्ड मैडल जीतकर इतिहास रचने वाले जैवलिन थ्रोअर चैंपियन नीरज चोपड़ा ने कही। स्थानीय बोलियों को प्रमोट करने के ध्येय पर काम कर रहे ओटीटी प्लेटफॉर्म के ब्रांड एंबेसडर नियुक्त होने पर नीरज ने अपने विचार रखे। इस दौरान नीरज ने आगे कहा कि हमें अपनी जड़ों से जुड़ना होगा। स्थानीय बोली हमारी पहचान है। इसे बचाने के लिए हमें आपस में भी स्थानीय भाषा में बातचीत शुरू करनी होगी। पूरे आत्मविश्वास से अपनी बोली में बात करें। हममें कॉन्फिडेंस होगा तो लोग सबटाइटल में भी हमारी बात समझेंगे। स्थानीय बोली में अपनेपन का भाव होता है।

रोटरी डिस्ट्रिक्ट फाउंडेशन सेमिनार

सेवा प्रोजेक्ट्स के लिए दान देने वाले भामाशाहों का किया सम्मान

बेधड़क | जयपुर

रोटरी क्लब जयपुर रॉयल के आतिथ्य में डिस्ट्रिक्ट फाउंडेशन सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में दिल्ली से आए फाउंडेशन समन्वयक शरत चन्द जैन ने रोटरी फाउंडेशन के कार्यों को बताया। सेमिनार की शुरुआत डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ. निर्मल कुणावत द्वारा किया गया। उन्होंने फाउंडेशन में डिस्ट्रिक्ट द्वारा डेढ़ लाख डॉलर का अंशदान करने के लक्ष्य में अब तक योगदान करने वाले रोटेरियनों को सम्मानित किया। इस अवसर पर रोटरी क्लब जयपुर रॉयल के गिरधारी बराला ने 8.31 लाख रुपए देकर मेजर डोनर का सम्मान प्राप्त किया। डिस्ट्रिक्ट मेंटर पीडीजी डॉ. अशोक गुप्ता ने बताया कि रोटरी फाउंडेशन में दिए गए अंशदान से सेवा के विविध कार्यों को पूर्ण किया जाता है।

कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष विष्णु बिड़ला, सचिव सुशील गोयल, इवेंट चेयरमैन डीडी सोनी, इवेंट सेक्रेटरी रमेश गोयल व टीम द्वारा सभी अतिथियों का साफा, माला व दुपट्टा पहनकर स्वागत किया गया। रोटे विपिन बहल ने ग्लोबल ग्रांट आवेदन प्रक्रिया को समझाया व सहायक प्रांतपाल रोटे अरुण बगड़िया ने दुनिया से पोलियो समाप्त करने की स्थिति से अवगत कराया।

कार्यक्रम में गत वर्ष के डीजी रोटे डॉ. बलवन्त सिंह चिराना ने विगत वर्ष में डिस्ट्रिक्ट द्वारा किए योगदान पर चर्चा की। डीजी इलेक्ट रोटे डॉ. राखी गुप्ता सहित 150 से अधिक वरिष्ठ व अन्य रोटरियनों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व अध्यक्ष रोटे पीसी जैन ने किया।

विजेताओं को ट्रॉफी देकर किया सम्मानित

निविक डॉक्टर्स बैडमिंटन लीग के फाइनल में डॉक्टर्स ने दिखाया दम

बेधड़क | जयपुर

निविक डॉक्टर्स बैडमिंटन लीग का पांचवां संस्करण जबरदस्त मुकाबलों के साथ संपन्न हो गया। टीम इवेंट वर्गों में मेडीस्पा, देशबंधु हॉस्पिटल, जैन चेस्ट केयर व केडिया हॉस्पिटल विजेता रहे। लीग चेयरमैन डॉ. अनिल यादव ने बताया कि क्लोजिंग सेरेमनी के मुख्य अतिथि डॉ. विनोद जोशी प्रधानाचार्य एवम नियंत्रक आरयूएचएस, विशिष्ठ अतिथि आरयूएचएस अधीक्षक डॉ. अजीत सिंह व निविक हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. सोनदेव रहे। पुरुष वर्ग की टीम इवेंट प्रतियोगिता में मेडिस्पा ने फॉर किड्स डेंटल को हराकर विजेता का खिताब अपने नाम किया।

विमन केटेगरी में देशबंधु ईएनटी हॉस्पिटल विजेता व शुभम् केयर हॉस्पिटल उपविजेता, जूनियर टीम में जैन चेस्ट केयर सेंटर विजेता व जयपुर गैस्ट्रो उपविजेता, बॉयज़ केटेगरी में केडिया हॉस्पिटल विजेता व आंच हॉस्पिटल उपविजेता रहे। लीग संयोजक डॉ. हरीश भारद्वाज ने बताया कि दबंग मेन्स डबल्स में डॉ. आदित्य-अपूर्व विजेता व डॉ. मनीष-अभिषेक उपविजेता, मलंग मेन्स डबल्स में डॉ. निशान्त-अरुण परतानी विजेता व डॉ. सुनीत सोनी-विष्णु उपविजेता, लीजेंड्स कैटेगिरी में डॉ. अशोक गुप्ता-डीके शर्मा विजेता व डॉ. नीरज-नरेश सोमानी उपविजेता रहे। आयोजन सचिव डॉ हनुमान खोजा ने बताया कि डबल्स ट्रायो में डॉ. हर्षुल, आशीष व विशाल विजेता रहे। मलंग ट्रायो में डॉ. सुनीत सोनी, विष्णु गुप्ता व डी के शर्मा विजेता रहे। मलंग जोड़ी ऑफ दि ईयर डॉ. अलका व अजीत जैन रहे।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल | **वक्ताओं की तीसरी सूची की घोषणा**

जयपुर में चलेगा सुधा-यतीन्द्र जैसे दिग्गजों का जादू

बेधड़क | जयपुर

आइकोनिक जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल एक बार फिर पूरी दुनिया को आकर्षित करेगा और वर्ल्ड क्लास ऑथर्स से जयपुराइट्स को रूबरू होने व उनको सुनने का मौका मिलेगा। इसके लिए तैयारियां की जा रही हैं और अब ऑथर्स की थर्ड लिस्ट जारी की गई है, जिसमें बड़े नाम शामिल हैं।

17वें संस्करण का आयोजन 1 से 5 फरवरी तक होटल क्लार्क्स आमेर जयपुर में किया जाएगा, जहां नामी लेखक, चिंतक, आदर्शवादी, दूरदृष्टा, बौद्धिक शामिल होंगे।

थर्ड लिस्ट में इनका नाम

तीसरी सूची में उद्यमी और कार्यकर्त्ता आमोद के. कांत शामिल हैं। उनकी प्रकाशित किताबें खाकी इन डस्टस्टॉर्म और खाकी ऑनब्रोकनविंग्स खास हैं। शेपिंग द फ्यूचर साहित्य अकादमी सम्मान से सम्मानित कवि बद्री नारायण, इंटरनेशनल बुकरप्राइज विजेता अनुवादक और कलाकार डेजीरॉकवेल, इंटरनेशनल बुकर में शॉर्ट लिस्ट हुए लेखक, संपादक और अनुवादक डेनियलहान, स्पेन में कल्चरल सेंटर'कासा दे ला इंडिया'संस्थापक निदेशक और वेनमिरर्सआरविंडोज के लेखक गिलेर्मोरोड्रिगेज, प्रोक्टर एंड गैम्बल के भूतपूर्व सीईओ गुरुचरण दास, लेखिका ईवीन्गेओव आदि लिस्ट में हैं।

ये भी होंगे फेस्टिवल में रू-ब-रू

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में ग्लोबल हिस्ट्री के प्रोफेसर और द सिल्क रोड्स के लेखक पीटर फ्रैंकोपन, संडे टाइम्स बेस्ट सेलिंग किताब के लेखक पीटरमूर, ब्रिटिश एम्पायर के इतिहासकार फिलिपजे स्टर्न, ब्रिटिश भारतीय लेखिका रेशमारुइआ, लेखक, प्रोड्यूसर, टेलीविजन प्रेजेंटर और द थर्सडे मर्डरक्लबसीरिज के कामयाब लेखक रिचर्डओसमान, डेलकार्नेज के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और कांग्रेस पार्टी के भूतपूर्व नेशनल वक्ता संजय, इनफोसिस फाउंडेशन की संस्थापक और लोकप्रिय लेखिका सुधा मूर्ति, लेखक, स्तंभकार और कल्चरल आइकॉन यतीन्द्र मिश्र भी जयपुराइट्स से रू-ब-रू होंगे।

कई पुरस्कृत लेखक हैं शामिल

अन्य नामों में अभिनेता, लेखक और व्हाइट हाउस के भूतपूर्व स्टाफ कल्पेन हैं। उनकी हालिया प्रकाशित किताब यूकांटबीसीरियस है। वहीं अनेकों पुरस्कार जीतने वाली किताब सुपर-इनफिनिट की लेखिका कैथरीनरुन्डेल, पुरस्कृत भारतीय अभिनेत्री, प्रोड्यूसर और क्लेअर्लीइन्विसिबल इन पेरिस की लेखिका कोयल पुरी रिन्चेट, ट्रेस्पासेस की लेखिका लुइसकेनेडी, उपन्यास कस्टडी के लिए कॉमनवेल्थप्राइज जीतने वाली लेखिका मंजू कपूर आदि भी जयपुर आएंगे।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/006/2023-25

न्यूज़ बेधड़क

सच बेधड़क
जयपुर, मंगलवार, 28 नवंबर, 2023

तुम्हारा मुकाबला तुम से ही है।
विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

बाइडेन को नेतन्याहू की दो टूक: युद्धविराम आगे तभी बढ़ेगा, जब हर दिन 10 बंधक हों रिहा, वर्ना...

सभी बंधक रिहा होने तक जारी रहेंगे हमले

एजेंसी | यरूशलम

इजराइल-हमास के बीच हुए समझौते के मुताबिक चार दिनों के आंशिक युद्धविराम का सोमवार को आखिरी दिन था। समझौते के मुताबिक हमास ने अब तक कुल 54 बंधकों को रिहा किया है, जबकि इजराइल ने 117 कैदियों की रिहाई की है। अभी भी दोनों पक्षों को एक दूसरे के नागरिकों को रिहाई की उम्मीद है, लेकिन इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दो टूक कहा है कि आंशिक युद्धविराम खत्म होते ही इजराइल पूरी ताकत के साथ गाजा में फिर से हमले करेगा।

दूसरी तरफ, अमेरिका, मिस्र और कतर इस युद्धविराम को सोमवार से आगे बढ़ाने के लिए इजराइल पर दबाव डाल रहे हैं, लेकिन नेतन्याहू ने रविवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से दो टूक कहा है कि अस्थाई संघर्ष विराम समाप्त होने के बाद इजरायल पूरी ताकत के साथ गाजा में अपना अभियान फिर से शुरू करेगा। हालांकि, नेतन्याहू ने यह भी कहा कि कतर की मध्यस्थता में हुए समझौते और सहमति के अनुसार, अगर हमास हर दिन दस अतिरिक्त बंधकों की रिहाई करता है तो वह संघर्ष विराम को बढ़ाने का स्वागत करेंगे।

बाइडेन ने की संघर्ष विराम बढ़ाने की पैरवी

समझौते के अनुसार जैसे ही हमास ने गाजा में बंदी बनाए गए इजराइली बंधकों के तीसरे बैच को रविवार को रिहा किया, अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने इजराइल और हमास के बीच चल रहे संघर्ष विराम पर अपनी स्थिति की पुष्टि की और इसे आगे बढ़ाने की वकालत की। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि वे तब तक इस काम को नहीं रोकेंगे, जब तक कि हरेक बंधक रिहा नहीं हो जाता। बाइडेन ने कहा, "हम तब तक काम करना बंद नहीं करेंगे, जब तक कि प्रत्येक बंधक को उनके प्रियजनों को वापस नहीं लौटा दिया जाता।"

फिलिस्तीनी अपराधों में दोषी

बता दें इजराइल द्वारा छोड़े गए कई फिलिस्तीनियों को आर्म्स एक्ट और हिंसक अपराधों में दोषी ठहराया गया है और वे इजराइल की जेलों में कैदी हैं। दूसरी तरफ हमास द्वारा बंधक बनाए गए वे नागरिक हैं, जिन्हें 7 अक्टूबर को इजराइल में आतंकी समूह की हत्या के दौरान अगवा कर लिया गया था।

भारत-अमेरिका परमाणु करार पर बोले विशेषज्ञ...

अभी पूरी तरह प्रभावी नहीं

एजेंसी | वाशिंगटन

भारत और अमेरिका के बीच असैन्य परमाणु समझौता होने के 18 साल से अधिक समय बाद भी बड़ी द्विपक्षीय साझेदारी के साथ-साथ इसकी पूरी क्षमता और वादे अभी तक मूर्त रूप नहीं ले सके हैं। एक शीर्ष अमेरिकी विशेषज्ञ ने यह दावा किया है।

'टाटा चेयर फॉर स्ट्रेटेजिक अफेयर्स' और प्रतिष्ठित 'कार्नेगी एनडाऊमेंट फॉर इंटरनेशन पीस' के वरिष्ठ शोधवेत्ता एशले जे टेलिस ने कहा कि भारत ने अभी तक उन बाधाओं को दूर नहीं किया है, जो अमेरिका से परमाणु रिएक्टरों की खरीद को रोकती हैं, वहीं अमेरिका दूरदर्शिता के साथ नीति पर खरा नहीं उतर सका है। उन्होंने 'कार्नेगी एनडाऊमेंट फॉर इंटरनेशन पीस' के सोमवार को प्रकाशित मुखपत्र में लिखा कि 2005 में हुए असैन्य परमाणु समझौते को अंततः फलीभूत करने की अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन की महत्वाकांक्षा भारत को अमेरिकी परमाणु रिएक्टरों की बिक्री के साथ समाप्त नहीं हो सकती है।

उन्होंने कहा कि इसके बजाय इसका लंबे समय से चली आ रहीं अमेरिकी नीतियों में संशोधन होने तक विस्तार करना चाहिए जो भारत के परमाणु हथियार कार्यक्रम के अस्तित्व को गहन तकनीकी सहयोग के लिए एक ऐसी बाधा बना रही हैं जिनसे पार पाना मुश्किल हो रहा है।

लंबे समय से अवरोध दूर नहीं हो सके

टेलिस ने कहा,'जहां तक भारत की बात है तो वह परमाणु करार के लागू होने के दौरान की गईं लिखित प्रतिबद्धताओं के अनुरूप उन अवरोधों को लंबे समय से दूर नहीं कर पाया है, जो अमेरिका से परमाणु रियेक्टरों की उसकी खरीद को रोक रहे हैं। जहां तक अमेरिका की बात है तो एक अलग ही तरह की चुनौती है कि वह दूरदर्शिता के साथ नीतियों पर खरा नहीं उतर रहा।'

बाइडेन की यात्रा का जिक्र

टेलिस ने कहा कि बाइडेन की सितंबर में हुई भारत यात्रा के बाद संयुक्त घोषणापत्र में कहा गया कि दोनों नेताओं ने परमाणु ऊर्जा में भारत-अमेरिका सहयोग को सुविधाजनक बनाने के अवसरों का विस्तार करने के लिए दोनों पक्षों की संबंधित संस्थाओं के बीच गहन विचार-विमर्श का स्वागत किया। इसमें सहयोगात्मक रूप से अगली पीढ़ी के छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर की प्रौद्योगिकियों का विकास भी शामिल है।

पैगंबर के व्यंग्य चित्र मामले में फ्रांसीसी शिक्षक का सिर काटने का मामला

छह नाबालिगों पर चलाया जाएगा मुकदमा

एजेंसी | पेरिस

अपनी कक्षा में इस्लाम के पैगंबर के व्यंग्य चित्र दिखाने वाले एक शिक्षक का सिर कलम करने में कथित भूमिका के लिए छह नाबालिगों पर सोमवार को पेरिस में मुकदमा चलेगा। इस हत्या के कारण अधिकारियों को फ्रांस के अभिव्यक्ति और धर्मनिरपेक्षता के पोषित अधिकारों की फिर से पुष्टि करनी पड़ी। इतिहास और भूगोल के शिक्षक सैमुअल पैटी की 16 अक्टूबर 2020 को उत्तर पश्चिमी पेरिस उपनगर में उनके स्कूल के पास चेचेन मूल के एक 18 वर्षीय लड़के द्वारा हत्या कर दी गई थी। यह लड़का कट्टरपंथी बन गया था जिसके बाद हमलावर को पुलिस ने मार गिराया। कक्षा में स्वतंत्र अभिव्यक्ति के मुद्दे पर एक बहस के दौरान पैटी ने व्यंग्यात्मक समाचार पत्र 'चार्ली आब्दो' द्वारा प्रकाशित 'कैरिकेचर' (व्यंग्य चित्र) दिखाए थे। इसके बाद सोशल मीडिया पर उनके नाम का खुलासा किया गया।

नाबालिगों के संबंध में फ्रांसीसी कानून के अनुसार पेरिस किशोर कोर्ट में सुनवाई मीडिया की गैर मौजूदगी में आयोजित होगी।

शर्मा ऑस्ट्रेलिया की सीनेट में

मेलबोर्न। ऑस्ट्रेलिया की संसद में 2019 में पहले भारतीय मूल के सांसद के रूप में निर्वाचित हुए दवे शर्मा न्यू साउथ वेल्स लिबरल सीनेट के चुनाव में जीत गए और राजनीति में लौट रहे हैं। शर्मा पूर्व विदेश मंत्री मैरिस पायने की जगह लेंगे, जिनकी सीनेट से सेवानिवृत्ति हो चुकी है। ऑस्ट्रेलियन मीडिया ने यह जानकारी दी।

क्रिस्टोफर बने न्यूजीलैंड के पीएम

एजेंसी | वेलिंग्टन

क्रिस्टोफर लक्सन ने सोमवार को न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली और कहा कि उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता अर्थव्यवस्था में सुधार करना है।

पूर्व व्यवसायी लक्सन (53) एक रूढ़िवादी गठबंधन का नेतृत्व कर रहे हैं, जिनकी राष्ट्रीय पार्टी ने शुक्रवार को दो छोटी पार्टियों के साथ समझौता किया। न्यूजीलैंड में बीते महीने आम चुनाव हुए थे। शपथ ग्रहण समारोह की अध्यक्षता गवर्नर-जनरल सिंडी किरो ने की। इसके बाद लक्सन ने संवाददाताओं से कहा कि यह एक 'बड़ी जिम्मेदारी' है।

वे मंगलवार को कैबिनेट की बैठक करेंगे व 100 दिन की योजना को अंतिम रूप देंगे। लक्सन ने कहा कि उन्हें सरकार की वित्तीय स्थिति पर जानकारी प्राप्त करने की आवश्यकता है।

उसके आगे बुर्ज खलीफा भी बौना

प्रशांत महासागर में मिला विशाल पर्वत

एजेंसी | वॉशिंगटन

कल्पना कीजिए बुर्ज खलीफा से दोगुना ऊंचा पहाड़ कितना विशालकाय होगा? यह महज कपोल कल्पना नहीं, बल्कि प्रशांत महासागर में वैज्ञानिकों ने इस विशाल समुद्री पर्वत को खोजा है। यह समुद्र की सतह से 5,249 फीट ऊंचा है। यह दुबई में स्थित दुनिया की सबसे ऊंची बिल्डिंग बुर्ज खलीफा से लगभग दोगुना ऊंचा है। इस पर्वत को सीमाउंट कहा जाता है, जो लगभग 7,900 फीट की गहराई पर स्थित है और समुद्र तल से लगभग 13,100 फीट नीचे स्थित है। श्मिट ओशन इंस्टीट्यूट (SOI) के नेतृत्व चले अभियान में अंतरराष्ट्रीय समुद्र में ग्वाटेमाला के विशेष आर्थिक क्षेत्र से लगभग 135 किमी की दूरी पर इस पर्वत का पता चला है।

पांच वर्ग मील में फैला है पर्वत

इस सीमाउंट का पता लगाने के लिए शोध जहाज फाल्कोर पर ईएम 124 मल्टीबीम इको साउंडर का उपयोग किया गया। इस उपकरण के इस्तेमाल से समुद्र तल की हाई रिजॉल्यूशन मैपिंग पूरी हो सकती है। डेटा के मुताबिक यह पर्वत पांच वर्ग मील से ज्यादा क्षेत्र में फैला है। SOI के कार्यकारी निदेशक ज्योतिका विरमानी ने कहा, 'समुद्र के नीचे छिपा 1.5 किलोमीटर से अधिक ऊंचा पर्वत मिला है। ये अभी तक लहरों के नीचे छिपा था। वास्तव में हमें इससे पता चलता है कि अभी कितना कुछ खोजना बाकी है।'

जैव विविधता का हॉटस्पॉट

उन्होंने आगे कहा, 'एक कंप्लीट सीफ्लोर मैप हमारे महासागर को समझने का एक मूलभूत तत्व है। ऐसे युग में रहना बेहद रोमांचक है, जिसमें टेक्नोलॉजी के जरिए पहली बार हमें ग्रह के इन अद्भुत हिस्सों का मैप बनाने और देखने की अनुमति मिलती है।' सीमाउंट जैव विविधता के लिए हॉटस्पॉट होते हैं। इनकी सतहों पर विभिन्न प्रकार के क्रस्टेशियंस, स्पंज और कोरल बस सकते हैं। अन्य जानवर इनसे भरण पोषण प्रदान करते हैं।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

“सच बेधड़क” दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl